पटना ● रविवार, 12 मई 2024 | मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 वर्ष: 5, अंक:127 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR
BNM
to the point...
राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

बिगनी मलाहीन : साहब चीनी... 3 www. bordernewsmirror.com संजय सर संग काम कर... 8

## परिवार के पांच सदस्यों की हत्या की फिर किया सुसाइड

- सीतापुर में बेटे ने मां को गोली मारी

**सीतापुर (एजेंसी)।** यूपी के सीतापुर में युवक ने अपने परिवार को खत्म कर दिया। मां को गोली मारी। पत्नी को गोली मारने के बाद सिर हथौड़े से कूच दिया। 3 बच्चों को छत से फेंक कर मार दिया। फिर घर के बाहर आया, खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। मामला थाना रामपुर के पालापुर गांव का है। युवक गांव में रहकर 100 बीघा जमीन पर खेती

करता था। पत्नी लखनऊ में एक इंश्योरेंस कंपनी में नौकरी करती थी। 3 बच्चों को लेकर अलीगंज के सरगम कॉम्प्लेक्स में रहती थी। तीनों बच्चे लखनऊ में पढ़ते थे। शुक्रवार सुबह ही पत्नी बच्चों को लेकर गांव पहुंची थी। सीतापुर एसपी चक्रेश मिश्रा ने कहा- 45 साल के अनुराग ने पत्नी प्रियंका (40), तीन बच्चे अरना (12), अरवी (7), आद्विक (8) और 62 साल की मां सावित्री सिंह की हत्या कर दी। फिर खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया।

## ब्लॉक कर दो 28 हजार फोन, सरकार का बड़ा आदेश

- 20 लाख मोबाइल नंबरों पर भी लटकी तलवार

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** केंद्र सरकार ने शुक्रवार को दूरसंचार ऑपरेटरों को 28,200 मोबाइल हैंडसेटों को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है। इसके अलावा, सरकार ने इन हैंडसेटों से जुड़े 20 लाख मोबाइल नंबरों को फिर से वेरीफाई करने के निर्देश दिए हैं। संचार मंत्रालय ने आज एक बयान में कहा है कि वे साइबर अपराध और वित्तीय

धोखाधड़ी में मोबाइल फोन के दुरुपयोग को रोकने के लिए दूरसंचार विभाग (डीओटी), गृह मंत्रालय (एमएचए) और राज्य पुलिस के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। मंत्रालय ने कहा कि इन विभागों के एकजुट प्रयास का उद्देश्य धोखेबाजों के नेटवर्क को नष्ट करना और नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाना है। साइबर अपराधों में 28,200 मोबाइल हैंडसेट का दुरुपयोग किया गया था।

## पाक पर कब्जा कर शरिया लागू करना चाहता है टीटीपी

- चल रहा है 'तालिबानी चाल', पहली बार चीन ने धमकाया

**इस्लामाबाद (एजेंसी)।** अफगानिस्तान की तालिबान सरकार और पाकिस्तान के बीच तहरीक-ए-तालिबान या टीटीपी आतंकियों को लेकर तनाव चरम पर पहुंचने के बाद अब चीन ऐक्शन में आ गया है। चीन ने अपने 5 इंजीनियरों की हत्या के बाद

तालिबान को टीटीपी आतंकियों को लेकर धमकी दी है और पूछा है कि आप हमारे दोस्त हैं या दुश्मन। पाकिस्तानी मीडिया के मुताबिक ऐसा पहली बार हुआ है कि तालिबान को चीन ने धमकाया है। तालिबान ने टीटीपी पर चीन से 1 महीना मांगा है। बताया जा रहा है कि टीटीपी के कमांडर नूर वली मेहसूद ने तालिबानी सरकार के नेतृत्व के साथ मुलाकात की है। साल 2007 से टीटीपी के हमले शुरू हो गए थे।

# गजब है यह रेलवे स्टेशन! दो राज्यों में खड़ी होती है एक ट्रेन

**भवानी मंडी**

**एक सेकंड में मध्यप्रदेश से पहुंच जाएंगे राजस्थान, हर दिन गुजरते हैं 10 हजार यात्री**

**मंदसौर (एजेंसी)।** भारतीय रेलवे को लेकर कई किस्से मशहूर हैं। सबसे ज्यादा चर्चा रेलवे के उन स्टेशनों की होती है जो दो राज्यों में पड़ते हैं। उन्हीं में से एक भवानी मंडी रेलवे स्टेशन है, जिसका एक हिस्सा राजस्थान तो एक मध्यप्रदेश में पड़ता है। मध्यप्रदेश का हिस्सा मंदसौर जिले में आता है। वहीं, राजस्थान का हिस्सा झालावाड़ में आता है। यहां से गुजरने वाली ट्रेनें भी दो राज्यों के हिस्से में खड़ी होती हैं। साथ ही यात्रियों के लिए भी एक रोमांचकारी पल होता है। वहीं, भवानी मंडी रेलवे स्टेशन से जब कोई ट्रेन गुजरती है तो प्लेटफॉर्म लगे बोर्ड पर सबकी नजरें ठहर जाती हैं। बोर्ड के एक तरफ राजस्थान और एक तरफ मध्यप्रदेश लिखा होता है। यह सोचकर थोड़ी देर के लिए तो यात्री हैरान रह जाते हैं। बाद में वहां के लोगों से पूछते हैं तो समझ में आता है कि यह स्टेशन दो हिस्सों में पड़ता है। एक यात्री ने मध्यप्रदेश के भवानी मंडी स्टेशन

का वीडियो शेयर किया है। वहीं, भवानी मंडी रेलवे स्टेशन से हर दिन 10000 से अधिक यात्री सफर करते हैं। इस स्टेशन का बुकिंग काउंटर मध्यप्रदेश में पड़ता है। स्टेशन पर प्रवेश करने के बाद जो वेटिंग रूम है, वह राजस्थान के झालावाड़ जिले में पड़ता है। यह स्टेशन दिल्ली-मुंबई रेलवे रूट पर पड़ता है। अधिकांश ट्रेनें दोनों राज्यों में खड़ी होती हैं।

हालांकि इस स्टेशन पर कई बार अपराध होने पर मामला उलझ जाता है। सीमा विवाद में जीआरपी उलझ जाती है कि अपराध राजस्थान में हुआ है या मध्यप्रदेश में। इसी वजह से बोर्ड भी स्टेशन पर सीमा निर्धारण वाली जगह पर है। इससे पता चलता है कि राजस्थान किधर और मध्यप्रदेश किधर है।

## गली-गली घूम रहे राम भक्त, मैं भी जल्द आ रही हैदराबाद

**ओवैसी को नवनीत राणा की नई चुनौती, फिर किया पलटवार**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** एआईएमआईएम के मुखिया असदुद्दीन ओवैसी ने अपने छोटे भाई अकबरुद्दीन ओवैसी को

तोप बताया था। भाजपा नेता नवनीत राणा ने उनके इस बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा है कि राम भक्त हर गली में घूम रहे हैं। राणा ने खुद को सैनिक की बेटी बताते हुए कहा कि ऐसी तोपें उनके घर के बाहर सजावट के लिए रखी गई हैं। राणा ने कहा, हम सजावट के लिए तोपें बाहर रखते हैं। ओवैसी कहते हैं कि उन्होंने अपने भाई को नियंत्रण में रखा है। यह अच्छा है, अन्यथा राम भक्त और मोदी जी के शेर हर गली में घूम रहे हैं।

मैं जल्द ही हैदराबाद आ रही हूं। असदुद्दीन ओवैसी ने कहा था कि उनका छोटा भाई अकबरुद्दीन एक तोप की तरह था, जिसे उन्होंने काफी प्रयासों के बाद नियंत्रित किया है। ओवैसी ने कहा था, मैंने छोटे (अकबरुद्दीन) को रोक दिया है। आप नहीं जानते कि छोटे कौन है। वह एक कैनन है। सालार का बेटा। आप क्या चाहते हैं, क्या मुझे उसे छोड़ देना चाहिए।

# शहजादे को इस बार उनकी उम्र से भी कम सीटें मिलेगी

**पीएम बोले-3 चरणों के चुनाव में ही कांग्रेस ने हार स्वीकार कर ली**

**ओडिशा के बरगढ़ में पीएम मोदी ने राहुल गांधी पर किया करारा प्रहार**

**बरगढ़ (एजेंसी)।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ओडिशा के बरगढ़ में शुक्रवार को चुनावी रैली को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इस बार विपक्ष भी बन नहीं पाएगी। उसके लिए उनके शहजादे की उम्र से भी कम सीटें मिलने वाली हैं। राम मंदिर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, जब एक आदिवासी बेटी और देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी रामलला के दर्शन करके आई, तो उसके दूसरे दिन कांग्रेस के एक बड़े नेता ने घोषणा की कि अब हम गंगा जल से धोकर राम मंदिर का शुद्धिकरण करेंगे। ये देश का, आदिवासी समाज का और माताओं-बहनों का अपमान है। पीएम मोदी ने कहा, मैं चाहता हूं कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी का अपमान करने वाली कांग्रेस की सभी सीटों पर जमानत जब्त होनी चाहिए। क्योंकि इन्होंने इतना बड़ा पाप किया है। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए पीएम मोदी ने कहा कि शहजादा आजकल संविधान को माथे पर रखकर नाच रहा है। उन्होंने कहा कि जब मनमोहन सिंह की कैबिनेट ने फैसला लिया तो शहजादा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई और इसकी कॉपी को टुकड़ों में बांट दिया। वो टुकड़े कागज के नहीं बल्कि संविधान के थे। वहीं झारखंड के चतरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 के बीच 'इंडिया' अलायंस ने अपनी हार मान ली है।

**बड़ी सफलता!**

## इस साल अब तक 103 नक्सली ढेर

**रायपुर (एजेंसी)।** छत्तीसगढ़ के बस्तर में शुक्रवार को सुरक्षाबलों ने नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ में 12 माओवादियों को मार गिराया। इस दौरान दो जवान भी घायल हुए। वैसे अगर आंकड़ों की बात करें तो यह साल सुरक्षाबलों के लिए बहुत ही शानदार साबित हो रहा है, और नक्सल मोर्चे पर उन्हें लगातार कामयाबियां मिल रही हैं। इस साल नक्सलियों के साथ हुई मुठभेड़ों में सुरक्षाबलों ने अब तक कुल 103 माओवादियों को मार गिराया है, जबकि अभी तो यह साल आधा भी नहीं गुजरा है, वहीं पिछले दो सालों में यह आंकड़ा सिर्फ 22 और 30 यानी कुल 52 ही था। जिसके बाद पूर्व अधिकारियों को यकीन हो चला है कि सालों से नक्सलियों की मांद में घुसकर उन्हें चुनौती दे रहे सुरक्षाबलों की मेहनत अब रंग लाने लगी है और अब वे घने जंगलों में रणनीतिक रूप से भारी पड़ने वाले नक्सलियों पर भी दबाव बनाने में कामयाब हो गए हैं।

## आरोप साबित हुए तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा

- बृजभूषण सिंह का खुला ऐलान-कहा-पहले साहेबजादे को चुनाव जिता लूं

**गोंडा (एजेंसी)।** महिला पहलवानों के यौन उत्पीड़न के मामले में भाजपा सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप तय हो गया है। अब इस मामले में मुकदमा चलेगा। कैसरगंज सीट से टिकट कटने के बाद बेटे करन भूषण के लिए चुनावी तैयारी में लगे बृजभूषण के तेवर बरकरार हैं। उन्होंने शनिवार की सुबह खुला ऐलान करते हुए कहा कि अगर आरोप साबित हुए तो वह फांसी पर लटक जाएंगे। उन्होंने राजनीतिक भविष्य पर कहा कि मेरे साहबजादे चुनाव लड़ रहे हैं। जीतने पर फिर बात होगी। गोंडा में विश्नोहरपुर स्थित पैतृक आवास पर मीडिया से बातचीत में बृजभूषण ने कहा, यह न्यायिक प्रक्रिया है।

# चुनाव के बीच राहुल गांधी ने मानी 'गलती'

**बोले-कांग्रेस को बदलनी होगी अपनी राजनीति**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी के एक बयान की खूब चर्चा हो रही है, जो उन्होंने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में दिया था। इस दौरान उन्होंने अपनी और अपनी पार्टी की गलती स्वीकारी और उसमें सुधार लाने की बात कही है। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि देश के संस्थापकों की अपेक्षा की तुलना में संविधान लोगों की कम मदद कर रहा है। यह सफलता के साथ-साथ विफलता भी है। शुक्रवार को यहां इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में राष्ट्रीय संविधान सम्मेलन को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि सच्चाई यह है कि कांग्रेस पार्टी को आने वाले समय में अपनी राजनीति को बदलनी होगी। उन्होंने कहा, मैं यह भी कहना चाहता हूं कि कांग्रेस पार्टी ने भी गलतियां की हैं, मैं कांग्रेस का होते हुए भी यह कह रहा हूं। हालांकि उन्होंने किसी गलती का जिक्र नहीं किया। राहुल गांधी ने आरक्षण, जाति व्यवस्था के साथ-साथ संविधान पर कथित हमलों के बारे में भी बात की। राहुल ने कहा कि देश में बड़ी संख्या में लोगों का भविष्य जन्म से पहले ही तय हो जाता है। राहुल ने कहा, लोगों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटा जाता है, जिससे तय होता है कि वे कौन सा काम करने में सक्षम हैं और कौन सा काम नहीं कर सकते। राहुल गांधी ने कहा, हिंदुस्तान के करोड़ों लोगों ने ऐसा जीवन जिया है, जहां उन्होंने अपना भविष्य तय नहीं किया है, बल्कि समाज ने उनके लिए यह किया है। कई लोग इस वास्तविकता को स्वीकार करते हुए इसे बदलने के लिए खड़े हुए। राहुल ने कहा कि जो लोग जीवन भर राजनीति में सत्ता के पीछे भागते हैं वे इस वास्तविकता को स्वीकार नहीं करते हैं। वे कभी भी अपनी या दूसरों की वास्तविकता को स्वीकार नहीं करते हैं। उन्होंने अपनी भारत जोड़ो यात्रा का जिक्र करते हुए खुद की स्थिति स्पष्ट की। गांधी ने कहा, सच्चाई यह है कि मैं जनता की आवाज हूं। मैं भारत जोड़ो यात्रा में समझ गया कि मैं जनता की आवाज, जनता का दुख दर्द हूं और इसके सिवा मैं कुछ हूं ही नहीं।

## यूएन में फिलिस्तीन को परमानेंट मेंबर बनाने का प्रस्ताव पास

**जिनेवा (एजेंसी)।** संयुक्त राष्ट्र संघ की असेंबली में फिलिस्तीन को परमानेंट मेंबर बनाने का प्रस्ताव पास होने से इजराइली राजदूत गिलाद एर्दान भड़क गए। उन्होंने अपनी स्पीच के दौरान ह चार्टर को फाड़ दिया। उन्होंने कहा कि वो चार्टर को फाड़कर संयुक्त राष्ट्र को आईना दिखा रहे हैं। दरअसल, शुक्रवार को अरब देशों ने यूएन की जनरल असेंबली में फिलिस्तीन को यूएन का परमानेंट सदस्य बनाने का प्रस्ताव रखा था। जिसे भारत समेत 143 देशों का समर्थन मिला। वहीं अमेरिका, इजराइल समेत 9 देशों ने ही प्रस्ताव का विरोध किया। इस प्रस्ताव के पास होने से फिलिस्तीन ने यूएन का सदस्य बनने के लिए क्वालिफाई कर लिया है। इजराइली राजदूत गिलाद एर्दान ने फिलिस्तीन को सदस्य बनाने वाले प्रस्ताव को यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है। उन्होंने कहा, यह दिन यूएन की बदनामी के दिन के तौर पर याद किया जाएगा। मैं चाहता हूं कि पूरी दुनिया इस पल, इस अनैतिक काम को याद रखे। यह विनाशकारी वोट है।

# भारत-चीन के सुधरेंगे संबंध!

**18 महीने बाद 'शी' ने नई दिल्ली भेजा अपना राजदूत**

**एलएसी पर झड़प के बाद चीन के साथ बिगड़े हैं संबंध**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर झड़प के बाद भारत और चीन के संबंध काफी खराब हो चुके हैं। इसके कुछ वर्षों के बाद तक गहराते विवाद के बीच चीन ने अपने राजदूत को वापस बुला लिया था। लगभग 18 महीने के लंबे अंतराल के बाद चीन ने आखिरकार अपने एक राजदूत को भारत भेजा है। शुक्रवार को जू फीहोंग अपनी पत्नी टैन युक्सियू के साथ बीजिंग से नई दिल्ली पहुंचे। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच गतिरोध कम होने के संकेत मिलने लगे हैं। जू ने कहा कि चीन एक-दूसरे की चिंताओं को दूर करने और बातचीत के माध्यम से मुद्दों का समाधान खोजने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार है। आपको बता दें कि जू ने इससे पहले अफगानिस्तान और रोमानिया में चीन के राजदूत के रूप में काम किया है। उन्हें चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा भारत में 17वां चीनी राजदूत नियुक्त किया गया है। वहीं, मार्च 2022 से बीजिंग में प्रदीप कुमार रावत बतौर राजदूत काम कर रहे हैं। जू ने कहा कि वह नई दिल्ली में अपनी पोस्टिंग को द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने और आगे बढ़ाने के लिए एक सम्मानजनक मिशन और एक पवित्र कर्तव्य के रूप में मानते हैं। जू ने भारत के लिए रवाना होने से पहले बीजिंग में एजेंसी और चीन के सीजीटीएन-टीवी से कहा, मैं दोनों देशों के बीच समझ और दोस्ती को गहरा करने, विभिन्न क्षेत्रों में आदान-प्रदान और सहयोग का विस्तार करने के साथ-साथ द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा। जू ने कहा, चीन एक-दूसरे की चिंताओं को समायोजित करने, बातचीत के माध्यम से विशिष्ट मुद्दों का पारस्परिक रूप से समाधान खोजने के लिए भारत के साथ काम करने के लिए तैयार हैं।

# अमित शाह को बनाएंगे पीएम सीएम योगी को निपटाएंगे

**जेल से छूटते ही केजरीवाल का पीएम मोदी पर बड़ा वार**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जेल से बाहर आने के बाद आज पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस की और जनता को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कई बड़े हमले किए और पूछा कि बीजेपी जीती तो अगला प्रधानमंत्री कौन होगा क्योंकि अगले साल पीएम रिटायर हो रहे हैं। उन्होंने कहा, ये लोग इंडिया गठबंधन से पूछते हैं कि आप का प्रधानमंत्री कौन होगा। मैं भाजपा से पूछना चाहता हूं, उनका प्रधानमंत्री कौन होगा। पीएम मोदी 17 दिसंबर से 75 साल के हो जाएंगे। ये भाजपा का नियम है। उनके यहां कई नेता रिटायर हुए हैं। ऐसे में अब उनका मकसद अमित शाह को अगला प्रधानमंत्री बनाने का है। सीएम केजरीवाल ने कहा, पीएम मोदी की गारंटियां पूरी कौन करेगा। मोदी जी से पूछना चाहता हूं कि क्या अमित शाम मोदी की गारंटी को पूरा करेंगे। उन्होंने कहा, ये लोग योगी को निपटाएंगे और अमित शाह को पीएम बनाएंगे। इसलिए आप मोदी के नाम पर नहीं अमित शाह पर वोट कर रहे हैं। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इन्होंने कईयों की राजनीति खत्म कर दी।

## संक्षिप्त समाचार

### वाल्मीकि नगर में बिहार के मुख्य अब्जॉर्बर ने बूथों का किया भौतिक निरीक्षण

बगहा। वाल्मीकि नगर संसदीय क्षेत्र में लोक सभा चुनाव 2024 को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड़ पर है।थाना क्षेत्र में स्थित सभी बूथों के भौतिक निरीक्षण और उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण के लिए लगातार अधिकारियों द्वारा सभी बूथों का भौतिक निरीक्षण का कार्य जारी है। इसी क्रम में शुक्रवार की देर शाम वाल्मीकि नगर पहुंचे। बिहार के मुख्य पर्यवेक्षक (अब्जॉर्बर) मनजीत सिंह ने कई बूथों का जायजा लिया है। मुख्य पर्यवेक्षक ने वाल्मीकिनगर लोक सभा क्षेत्र संख्या 1 के वाल्मीकिनगर थाना क्षेत्र के सभी बूथों का भौतिक निरीक्षण किया । इस दौरान उन्होंने बूथ पर पहुंच कर वहां की सभी मूलभूत सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। साथ ही मौके पर मौजूद अधिकारियों को कई दिशा-निर्देश भी दिया। बूथों पर मौजूद बीएलओ से भी चुनाव संबंधित जानकारी प्राप्त किया। जैसे हर घर मतदान पर्ची पहुंचाने तथा लोगों को मतदान करने के लिए प्रेरित करने के बाबत दिशा-निर्देश दिया। बूथों पर बिजली, पानी, सुलभ शौचालय, रैंप सहित कई अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। ताकि मतदान करने आए मतदाता को किसी भी असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। इस अवसर पर बगहा एसडीएम डा. अनुपमा सिंह, उत्पाद अधिक्षक बेतिया मनोज सिंह, बगहा एसडीपीओ कुमार देवेंद्र, बीडीओ बगहा 2 जयराम चौरसिया, प्रखंड बगहा दो के सीओ निखिल सिंह, वाल्मीकिनगर थाने के इंस्पेक्टर सह थानाध्यक्ष विजय प्रसाद राय, एसआई महेश कुमार सहित अन्य पुलिस पदाधिकारी और अन्य पदाधिकारी मौंजूद रहें।

### मतदान केन्द्रों पर व्हीलचेअर और रैम्प की उपलब्धता करे सुनिश्चितः अपर समाहर्ता

**मोतिहारी**। आगामी लोकसभा चुनाव में दिव्यांगजनों को सुगमता पूर्वक मतदान में शामिल कराने को लेकर शनिवार को मतदाता सुविधा कोषांग की बैठक की गई। बैठक में सभी मतदान केन्द्र भवनों के विभाग के प्रशासी पदाधिकारी को निदेश देते हुए अपर समाहर्ता ने कहा कि शिक्षा विभाग के अन्तर्गत आने वाले सभी 1743 मतदान केन्द्र भवनों पर रैम्प एवं व्हीलचेअर की व्यवस्था तीन दिनों के अंदर करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें।साथ ही पंचायती राज विभाग, सहकारिता विभाग, कृषि विभाग एवं अन्य विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी मतदान केन्द्र को रैम्प एवं व्हीलचेअर की व्यवस्था अविलंव करने का निदेश दिया गया। अपर समाहर्त्ता ने बताया कि जिले के 12 विधान सभा क्षेत्र में कुल 34000 दिव्यांगजन है,जो आगामी 25 मई को मतदान में भाग लेंगे। उन्होने बताया कि रक्सौल विधान सभा में 3118,सुगौली में 2512,नरकटिया में 2468,हरसिद्धि में 3136,गोविन्दगंज में 2633 केसरिया में 2323,कल्माणपुर में 2572,पिपरा में 2744,मधुबन में 3784,मोतिहारी में 3313,चिरैया में 2745 व ढ़ाका विधान सभा में 2414 दिव्यांगजन मतदाता है, जिनकी सुविधा के लिए मतदान केन्द्र भवनों पर व्हील चेअर, रैम्प , के अतिरिक्त मतदान सारथी के रुप में एनसीसी,स्कॉउट के अतिरिक्त अन्य वांलटियर मौजूद रहेगे। बैठक में जिला पंचायत राज पदाधिकारी, विशेष कार्य पदाधिकारी सह नोडल कार्मिक प्रबंधन कोषांग, जिला कल्याण पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी समग्र शिक्षा एवं प्राथमिक शिक्षा, स्काउट एवं गाइड जिला ईकाई के सचिव, सहायक निदेशक दिव्यांगजन सशक्तिकरण व मतदाता सुविधा कोषांग के कर्मीगण उपस्थित थे ।

### पटना वीमेंस कॉलेज को नैक से A++ ग्रेड मिला

**पटना**। पटना विमेंस कॉलेज को नैक की ओर से A++ ग्रेड मिला है। नैक पीयर टीम ने 2 और 3 मई को कॉलेज का मूल्यांकन किया था। इस उपलब्धि पर कॉलेज की प्राचार्य सिस्टर एम रश्मि एसी ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि सभी की मेहनत और लगन के कारण कॉलेज को इतना अच्छा ग्रेड मिला है। नैक पीयर टीम की ओर से कॉलेज की बेहतरी के लिए अनुशंसा की गई है। इनमें नए यूजी और पीजी कोर्सेस की शुरुआत का सुझाव भी दिया गया था, जिस पर पर जल्द कार्य किया जाएगा। नैक द्वारा सात बिंदुओं पर कॉलेज का मूल्यांकन किया जाता है। इसमें कॉलेज को कुल 4 में से 3.51 सीजीपीए प्राप्त हुआ है। सात बिंदुओं में करिकुलर आस्पेक्ट में 3.67, टीचिंग,लर्निंग एंड इवोल्यूशन में 3.64, रिसर्च इनोवेशन एंड एक्सटेंशन में 2.89, इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड लर्निंग रिसोर्सेज में 3.65,स्टूडेंट सपोर्ट एंड प्रोग्रेसन में 2.99, गवर्नेंस लीडरशिप एंड मैनेजमेंट में 3.75 और इंस्टीट्यूशनल वैल्यू एंड बेस्ट प्रैक्टिसेज में औसत 3.94 ग्रेड प्वाइंट मिला है।

### मगध महिला कॉलेज में कल तक कर सकती हैं आवेदन

**पटना**। मगध महिला कॉलेज में बीए, बीएससी चौथे सेमेस्टर की छात्राएं कल तक यानी कि 12 मई तक अपना नामांकन करा सकती हैं। नामांकन फॉर्म कॉलेज की वेबसाइट पर उपलब्ध है। फॉर्म ऑनलाइन मोड में भरा जाएगा, जिसकी फीस 170 रुपए है। कॉलेज की तरफ से साफ कहा गया है कि छात्राएं अपना ऑनलाइन आवेदन सही भरे वरना उनका आवेदन निरस्त कर दिया जाएगा। नामांकन फॉर्म भरने के लिए मगध महिला कॉलेज के ऑफिशियल वेबसाइट www.magadhmahilacollege.org पर जाकर आवेदन करना होगा। नामांकन फॉर्म भरने के बाद नामांकन शुल्क, नामांकन फॉर्म, सेमेस्टर-1, सेमेस्टर-II और सेमेस्टर-III की मार्कशीट की कॉपी के साथ छात्राएं अपने विभाग में जमा करेंगी। इसके अलावा 15-16 मई को मगध महिला कॉलेज और पटना लॉ कॉलेज के सहयोग से 'बौद्धिक संपदा अधिकार अवसर एवं चुनौतियां' विषय पर नेशनल सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कानून, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, विज्ञान, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी, फार्मा और मीडिया विषयों आदि के क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों, शिक्षाविदों और अनुसंधान विद्वान अपना रजिस्ट्रेशन कर जुड़ सकते हैं।

### गया, जमुई, रोहतास और किशनगंज में झमाझम बारिश, बांका समेत कई जिलों में छाए बादल

**पटना**। बिहार में शनिवार को दोपहर बाद अचानक मौसम ने करवट ली। गया, जमुई, रोहतास और किशनगंज में झमाझम बारिश हुई है। बांका, पटना समेत कई जिलों में बादल छाए हुए हैं। 2 दिनों से बिहार के कई जिलों में बारिश हो रही है। इससे तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। गया जिले के फतेहपुर प्रखंड के बड़गांव में आकाशीय बिजली ताड़ के पेड़ पर गिरी। पेड़ पर बिजली गिरते ही आग लग गई। आसपास मौजूद लोगों ने इसका वीडियो बना लिया। मौसम विभाग की ओर से आज प्रदेश के 15 जिलों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया था। जिसमें जमुई, बांका, सुपौल, अररिया, किशनगंज, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, गया, नवादा,पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, शिवहर,सीतामढ़ी और मधुबनी शामिल हैं। इन जिलों में मेघ गर्जन, वज्रपात और 30 से 40 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से तेज हवा चलेगी। मौसम विभाग की माने तो शनिवार को राज्य के उत्तरी भाग में कुछ जगहों पर आंशिक बारिश हो सकती है। पटना में आज मौसम सामान्य बना रहा। दिन में धूप निकली। मौसम विभाग की माने तो शाम में हवाएं भी चलेंगी, जिसके कारण से गर्मी का एहसास कम होगा। वही शुक्रवार को पटना के अधिकतम तापमान में 5.1 डिग्री बढ़ोतरी दर्ज की गई। पटना का अधिकतम तापमान 33.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जबकि, 38.5 डिग्री सेल्सियस के साथ औरंगाबाद में प्रदेश का सर्वाधिक अधिकतम तापमान दर्ज किया गया।

### मल्लिकार्जुन खड़गे बोले- बेरोजगारी और गरीबी से जनता त्रस्त है, इस बार जवाब देगी

**पटना**। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अब तक तीन चरणों में 285 सीटों पर चुनाव हो चुके हैं। आज शाम 5 बजे तक चौथे चरण के चुनाव के लिए चुनाव प्रचार रूक जाएगा। 13 तारीख को 96 सीटों के लिए मतदान होगा। शुक्रवार को तेलंगाना और आंध्र प्रदेश में प्रचार कर रहा था। पीएम मोदी के लिए सरकार बना पाना अब अत्यंत मुश्किल है। शुक्रवार को पीएम मोदी और कांग्रेस दोनों की पब्लिक रैली थी। इसके बाद लगा कि भाजपा के खिलाफ जनता में बहुत बड़ा आक्रोश है। बेरोजगारी, गरीबी इतनी बढ़ रही है कि सामान्य जनता उसमें सह नहीं पाती है। सभी लोग परेशान हैं कि मोदी जी ने पहले बहुत सारे नौकरियों के वादे किए थे। 20 करोड़ नौकरियां देनी थी, जो नहीं दे पाए हैं।

# पटना में आज बदली रहेगी ट्रैफिक व्यवस्था

## ♦ पीएम के रोड शो को लेकर रूट चार्ट जारी, एयरपोर्ट-जंक्शन जाने के लिए इन रास्तों का करें इस्तेमाल

एजेंसी, पटना।

पटना में 12 मई को पीएम नरेंद्र मोदी की प्रस्तावित रोड शो को लेकर ट्रैफिक व्यवस्था बदली रहेगी। प्रशासन की ओर से रूट चार्ट जारी किया गया है। इस दौरान अग्निशमन, एंबुलेंस, मरीजों के वाहन, शव वाहन, न्यायिक कार्य से जुड़े वाहन, चुनाव कार्य से जुड़े वाहन और पास धारक वाहनों को छूट रहेगी। पटना जंक्शन जाने के लिए करबिगहिया छोर का प्रयोग करें। सगुना मोड, राजाबाजार की ओर नेहरू पथ (बेली रोड) होकर पटना जंक्शन जाने वाले वाहन नेहरू पथ पर डुमरा चौकी से पटना एयरपोर्ट पश्चिमी गेट होते हुए बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस 05 तिराहा से आमुकोढ़ा मोड़ से टमटम पड़ाव होकर अनिसाबाद गोलंबर से चितकोहरा दक्षिण से गर्दनीबाग से मीठापुर होते हुए जीपीओ ऊपर से करबिगहिया जा सकते हैं। सगुना मोड़, राजाबाजार से जगदेवपथ रोड होते हुए आमुकोडा मोड़ से टमटम पड़ाव से अनिसाबाद गोलंबर से चितकोहरा दक्षिण से गर्दनीबाग से मीठापुर होते हुए करबिगहिया जा सकते हैं। राजीवनगर, पाटलिपुत्रा, दीघा, कुर्जी, बोरिंग रोड आदि क्षेत्र से पटना जंक्शन जाने वाले निजी वाहन अटल पथ से आर ब्लॉक होते हुए जीपीओ गोलंबर नीचे से पटना जंक्शन जा सकते हैं। राजीवनगर, पाटलिपुत्रा, दीघा, कुर्जी, बोरिंग रोड आदि क्षेत्र से पटना जंक्शन जाने वाले वाहन कुर्जी मोड़ से पाटलिपुत्र से बोरिंग रोड होते हुए बोरिंग रोड चौराहा से हड़ताली लोहियाचक्र पथ नीचे से दारोगा राय पथ से वीरचन्द पटेल पथ से आर ब्लॉक होते हुए जीपीओ गोलंबर के नीचे से पटना जंक्शन जा सकते हैं। पटना सिटी, गायघाट, आलमगंज की ओर से पटना जंक्शन जाने वाले वाहन गायघाट पुल नीचे से डंका ईमली चौक से एनएमसीएच होते हुए अगमकुआं आरओबी ऊपर से पुरानी बाईपास होकर राजेन्द्रनगर टर्मिनल से चिरैयाटाड़ पुल होकर करबिगहिया की ओर जा सकते हैं।

## पीएम के रोड शो को लेकर स्पेशल गाड़ी तैयार

### कारकेड रिहर्सल में किया गया शामिल, पूरे पटना में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

**पटना**। पटना में पीएम नरेंद्र मोदी के रोड शो के लिए स्पेशल गाड़ी को तैयार कर लिया गया है। यह पूरी तरह से हाईटेक और लग्जरी है। शनिवार को कारकेड के रिहर्सल के दौरान गाड़ी को भी शामिल किया गया। गाड़ी पूरी तरह से भगवा कलर में रंगी हुई है। इस पर पीएम की तस्वीर लगी हुई है। इस गाड़ी को इस डिजाइन से बनाया गया है कि पीएम खड़े रहेंगे तब भी एसी की हवा उनके चेहरे तक पहुंचेगी। वहीं, पीछे बैठने की भी व्यवस्था है। वहीं पर लाइटिंग का भी अच्छा प्रबंध किया गया है।

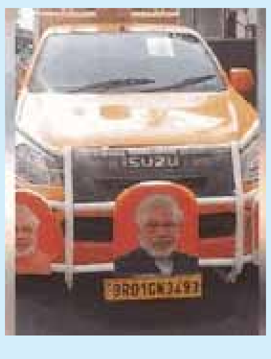

**साढ़े चार किलो मीटर की दूरी करेंगे तयः** इसी गाड़ी पर सवार होकर पीएम न्यू डाकबंगला चौराहा, एग्जीबिशन रोड, भट्टाचार्य रोड, पिरमुहानी होते हुए जेपी गोलंबर तक साढ़े चार किलोमीटर की दूरी तय करेंगे। इसके लिए निर्धारित रूट पर रिहर्सल भी किया जा रहा है। गाड़ी को पूरी तरह से सुरक्षा घेरे में ले लिया गया है।

**सोमवार सुबह 6 बजे तक मालवाहक की इंट्री नहींः** जिन मार्गों पर रोड शो होगा, उन पर शनिवार की रात 10 बजे से सोमवार की सुबह 6 बजे तक ट्रक, ट्रैक्टर, पिकअप वैन या अन्य मालवाहक वाहनों के परिचालन पर पूरी तरह से रोक रहेगी। यही नहीं पटना के सभी वीवीआईपी इलाकों में भी इस दौरान मालवाहक वाहनों की इंट्री नहीं होगी। अगर कोई मालवाहक वाहन इस एरिया में प्रवेश करेगा तो जब्त हो जाएगा साथ ही जुर्माना भी भरना पड़ेगा। इधर, प्रधानमंत्री के रोड शो को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर है। रोड शो वाले मार्ग पर तीन हजार पुलिसकर्मी, थाना की पुलिस के साथ ही अतिरिक्त पुलिस बल और रैफ के जवान तैनात रहेंगे। किसी ने बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुसने की कोशिश की तो जेल भेजा जा सकता है। हर तीसरे भवन पर जवान की तैनाती रहेगी। एसएसपी राजीव मिश्रा ने सभी पुलिस अफसरों और थानेदारों को सघन जांच अभियान चलाने को कहा है। होटलों, मॉल, प्रतिष्ठानों के बड़े-बड़े भवनों की जांच करने का निर्देश दिया गया है। होटलों के मैनेजरों को कोई संदिग्ध व्यक्ति रुकने पर पुलिस को फौरन सूचना देने को कहा गया है। ट्रैफिक एसपी अशोक कुमार चौधरी ने बताया कि ट्रैफिक पुलिस के साथ तीन से चार किमी के दायरे में एक सेक्टर प्रभारी रहेंगे जो यह देखेंगे कि कोई भी वाहन या ठेला-खोमचा सड़क पर न रहे।

## साइबर अपराधियों ने बैंक अकाउंट से उड़ाए 3.50 लाख

एजेंसी, पटना।

पटना के दानापुर थाना क्षेत्र में एक शख्स के बैंक खाते से साइबर ठगों ने 3.50 लाख रुपए निकाल लिए। आरकेपुरम निवासी पीड़ित बर्फी राय ने थाने में लिखित आवेदन दिया है। केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही है।

**अकाउंट में सिर्फ 18 रुपए बचे थेः** पीड़ित ने बताया कि पिकअप गाड़ी बेचकर 3 लाख 50 हजार रुपए बैंक में जमा किया था। 10 मई को जरूरत पड़ने पर पैसा निकालने के लिए बैंक पहुंचा था। जहां स्टाफ से जानकारी मिली कि अकाउंट में तो सिर्फ 18 रुपए बचे हैं। ट्रांजेक्शन डिटेल मांगने पर बताया गया कि 1 दिसंबर 2023 से अभी तक निफ्ट, यूपीआई और विभिन्न एटीएम से रुपयों की निकासी की गई है।

**किसी ने मेरा एटीएम कार्ड बदल लियाः** जब मैंने अपना एटीएम कार्ड चेक किया तो उस पर किसी मिथिलेश कुमार का नाम था। कुछ माह पूर्व सगुना मोड़ स्थित एटीएम से रुपए निकालने के लिए गया था, शायद उस समय ही किसी ने मेरा कार्ड बदल लिया होगा। मैं पढ़ना लिखना नहीं जानता हूं। मुझे केवल हस्ताक्षर ही करने आता है।

**केस दर्ज कर पुलिस जांच कर रही हैः** इस संबंध में दानापुर थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार भारद्वाज ने बताया की साइबर अपराधियों के द्वारा बैंक खाते से रुपए निकालने का मामला सामने आया है। लिखित आवेदन प्राप्त हुआ है।

## तेजस्वी बोले-मोदी को हटाए बिना नहीं लूंगा बेड रेस्ट, डॉक्टर ने आराम करने को कहा

### मैं बेल्ट लगाकर आ रहा, एक दिन में 10 चुनावी सभा

एजेंसी, पटना।

पूर्व डिप्टी सीएम और वर्तमान में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव अब तक अपने पैर और कमर के दर्द से जूझ रहे हैं। हालांकि, उनकी चुनावी प्रचार में उनकी कमी नहीं आई है। वे ताबड़तोड़ चुनावी सभाएं कर रहे हैं। लोकसभा चुनाव में प्रतिदिन 5-6 चुनावी सभाओं से उन्होंने शुरुआत की और ये सभाएं हर दिन सात तक पहुंच गईं, लेकिन अब तेजस्वी 11 मई यानी आज 10 सभाओं को संबोधित करने वाले हैं। तेजस्वी दरभंगा में तीन, बेगूसराय में दो, मुंगेर में एक, लखीसराय में एक और वैशाली में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इससे पहले उन्होंने समस्तीपुर में भी दो सभाएं की, जहां उन्होंने लोगों को चुनावी तंज और अपने कमर दर्द की बात कहकर लुभाया। तेजस्वी ने कहा, "मुझे डॉक्टर ने बेड रेस्ट करने के लिए बोला था। मेरे हड्डी में चोट है। मैं बेल्ट लगाकर और सुई लेकर आ रहा हूं। 3 हफ्ते में चुनाव खत्म हो जाएगा। मैंने डॉक्टर से कहा कि जब तक मैं मोदी जी को हटा नहीं देता, मैं बेड रेस्ट नहीं लूंगा। तेजस्वी को बेड रेस्ट की जरूरत नहीं है पीएम मोदी को बेड रेस्ट की जरूरत है।" समस्तीपुर में उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन के लोग रोजगार की बात करते हैं, आरक्षण की बात करते हैं, जबकि एनडीए गठबंधन के लोग तलवार की बात करते हैं। एनडीए गठबंधन के पास कोई मुद्दा नहीं रह गया है। जिस कारण वह देश को बांटने का प्रयास कर रहे हैं।

**राजद नेता का सहारा लेकर मंच तक पहुंचेः** हेलिकॉप्टर से उतरने के बाद राजद नेता का सहारा लेकर मंच तक पहुंचे। तेजस्वी यादव ने कहा कि कमर में काफी दर्द है। मैं हार मानने वालों में से नहीं हूं, क्योंकि मैं लालू यादव का बेटा हूं। हमारी लड़ाई बेरोजगारी खत्म करने की है। बेरोजगारों को हक दिलाने के लिए संघर्ष करेंगे। उन्होंने कहा कि देश में इंडिया गठबंधन की सरकार बनी तो पूरे देश में जाति आधारित जनगणना कराई जाएगी। जाति के आधार पर लोगों को आरक्षण दिया जाएगा। लोगों की आर्थिक दशा बदल जाएगी। गरीब महिलाओं को साल में एक लाख रुपए दिए जाएंगे। 200 यूनिट बिजली फ्री दी जाएगी। रोजगार के नए-नए अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

## I.N.D.I.A की बैठक पर चिराग बोले- यह समय जनता के बीच जाने का है, विपक्ष हार मान ली है

एजेंसी, पटना।

चिराग पासवान ने इंडिया की बैठक पर कहा कि यह समय जनता के बीच जाने का है तो ये लोग बैठक ही कर रहे हैं। खड़गे जी आ रहे हैं उनके प्रति सम्मान है। लेकिन उनके जो बड़े नेता हैं, उनमें से किसी ने भी बिहार आना जरूरी नहीं समझा। एक बार मुझे याद है कि राहुल गांधी जी जाकर गए। इसके बाद कोई भी नहीं आए। आज कोई समय बैठक करने का नहीं है। यह समय ज्यादा से ज्यादा प्रचार में जाने का है। विपक्ष यह मान चुकी है कि उनकी हर समीप है।

**क्या बोले संजय झाः** सांसद संजय झा ने इंडी गठबंधन की पीसी को लेकर कहा कि यह इंडिया गठबंधन क्या है, जब यह नाम दिया जा रहा था तो इनके छठे पीएम के दावेदार भी जेल से निकल गए हैं। दिल्ली वाले मुख्यमंत्री जेल से बाहर निकल गए हैं। अभी तक 5 पीएम थे आप छठे पीएम दावेदार हैं। अब उनको आपस में सेटल करने दीजिए, जवाब देने दीजिए। उनको निकाला ही गया है चुनाव प्रचार के लिए। शराब कांड में उनको जेल भेजा गया था। कोर्ट ने उनको 20 दिन के लिए बेल दिया है। इसके बाद फिर वह जेल चले जाएंगे। इस पर उनको बोलना चाहिए। यहां आकर प्रधानमंत्री की यात्रा पर बोलते हैं, प्रधानमंत्री इसलिए आते हैं कि सभी जगह से डिमांड है। उनके जो नेता हैं वह कहीं बिहार में दिख ही नहीं रहे हैं। पीएम पर की जा रहे टिप्पणी पर संजय झा ने कहा कि ये लोग जितना बोलेंगे, उतना ही जनता हिसाब लेती है। जनता ने पूरा मन बना लिया है।

**सम्राट चौधरी ने क्या कहाः** खड़गे के बिहार आने और इंडिया की बैठक पर सम्राट चौधरी ने कहा कि कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। पूरा बिहार मोदी के साथ खड़ा है। खड़गे जी आए राहुल गांधी जी आए, लालू जी तो पहले से हैं ही। इससे कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री का स्पष्ट मानना है जो भ्रष्टाचार करेगा, उसको जेल जाना पड़ेगा। टेंपरेरी बाहर आ सकते हैं लालू प्रसाद। बीमारी के नाम पर बाहर आ सकते हैं। केजरीवाल को भी फिर जेल ही जाना होगा।

## घर से उठाकर अपराधी को दूसरे बदमाशों ने मारी गोली

एजेंसी, हाजीपुर।

वैशाली के मझौली गांव में घर से उठाकर सीएसपी केन्द्र लूट मामले में अपराधी को दो बदमाशों ने गोली मार दिया है। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां से बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर रेफर किया गया। वहां भी हालत खराब होने पर पटना पीएमसीएच में भेज दिया गया है। घटना बिदुपुर थाना क्षेत्र के गोपालपुर गंगा घाट की है। घायल युवक की पहचान बिदुपुर थाना क्षेत्र के मझौली गांव निवासी बलिराम राय के रूप में हुई है। वह थाना क्षेत्र के माइल गांव में स्थित सीएसपी केन्द्र लूट मामले में शामिल था। फिलहाल पांच महीने पहले जमानत पर जेल से

### ♦ अस्पताल में चल रहा इलाज, एसडीपीओ ने कहा-जांच के बाद होगी कार्रवाई

बाहर आया था। घटना के संबंध में घायल ने बताया कि वह अपने घर पर था। इस दौरान गांव के निवासी सुशील कुमार आया और बाइक पर बैठाकर गोपालपुर घाट किनारे लेकर गया। वहां पर एक अन्य साथी के साथ मिलकर मोबाइल और रुपए को छीना फिर गोली मार दिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार गोली मारने वाले आरोपी सुशील कुमार का आपराधिक इतिहास है। घटना के संबंध में सदर एसडीपीओ ओम प्रकाश ने बताया कि बिदुपुर में गोलीबारी की घटना में एक युवक घायल हुआ है।

## चिराग पासवान का प्रचार कर रहे पिकअप में तोड़फोड़

एजेंसी, हाजीपुर।

वैशाली में चुनाव प्रचार के दौरान दबंगों ने चिराग पासवान की चुनावी प्रचार गाड़ी को जाने से रोक दिया। पोस्टर, बैनर भी फाड़ दिए। इस टोला में प्रचार गाड़ी नहीं लाने को कहा। दबंगों ने कहा कि यह यादव टोला है, यहां ये सब नहीं चलने वाला है। घटना हाजीपुर के राजापाकड़ थाना क्षेत्र की है। वहीं, वीडियो सामने आने के बाद लोजपा ने RJD पर जंगलराज और दबंगई का आरोप लगाया है। हाजीपुर से चिराग पासवान खुद चुनाव लड़ रहे और उनके खिलाफ RJD ने अपने पूर्व विधायक और मंत्री शिवचंद्र राम को मैदान में उतारा है। लड़ाई कांटे की बताई जा रही और लोजपा और RJD चुनावी जीत के लिए चुनाव प्रचार में जी जान लगाए हुए हैं। बताया गया कि राजापाकड़ में चिराग पासवान की चुनाव प्रचार गाडी गांव-गांव घूम रही थी। उसपर पार्टी का बैनर पोस्टर टंगा था और गाड़ी से समर्थन और वोट के लिए माइकिंग की जा रही थी। इसी बीच अचानक 3-4 लफंगों ने चिराग की प्रचार गाड़ी को घेर लिया। गाड़ी को गांव से बाहर जाने को कहते दिखा। प्रचार गाड़ी के साथ चल रहे समर्थक मिन्नत करते रहे, लेकिन लफंगों ने प्रचार गाड़ी पर लगे पोस्टर बैनर को फाड़ना शुरू कर दिया। बवाल और तोड़ फोड़ की तस्वीरें सामने आने के बाद लोजपा ने RJD पर परेशान करने का आरोप लगाया है।

## बिहार कप सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप की शुरुआत, 14 जिलों से 65 सीनियर खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

एजेंसी, पटना।

पटना के पाटलिपुत्र टेनिस सेंटर में बिहार कप सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप की आज से शुरुआत हो गई है। प्रतियोगिता का उद्घाटन मुख्य अतिथि के तौर पर हाई परफार्मेंस डायरेक्टर, खेलो इंडिया सेंटर के राजेंद्र पठानिया, समाजसेवी आलोक आजाद और सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव धर्मवीर कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

**14 जिलों के 65 खिलाड़ी ले रहे हिस्साः** तीन दिवसीय प्रतियोगिता के प्रथम दिन पुरुष व महिला वर्ग के अलग-अलग इंडिविजुअल सिंगल्स इवेंट खेले गए। इस प्रतियोगिता की शुरुआत खिलाड़ियों को ज्यादा से ज्यादा मैच अभ्यास करने के लिए की गई है। पाटलिपुत्र सॉफ्ट टेनिस अकादमी सह सॉफ्ट टेनिस एसोसिएशन ऑफ बिहार के महासचिव धर्मवीर कुमार ने बताया इस प्रतियोगिता में लगभग 14 जिलों से 65 सीनियर खिलाड़ी इसमें भाग ले रहे हैं। आज के मैच में पुरुष वर्ग में दीपक (बक्सर) ने अंकित (कटिहार ) को 3-0, रवि कुमार मेहता (पटना ) ने संजीव कुमार (रोहतास) को 3-0, अभिषेक राज (पटना) ने रोशन कुमार (कैमूर) को 3-0, संजीव कुमार (जहानाबाद) में राहुल पाल (कैमूर) को 3-0, सत्यम कुमार (रोहतास) में वरुण राज (भोजपुर) को 3-0, कुमार अमरेश (भोजपुर) ने विशाल कुमार (पश्चिम चंपारण) को 3-0 जयंत कुमार (भागलपुर) में विनोद कुमार (वैशाली) को 3-1 से हराया। इसके अलावा महिला वर्ग में साक्षी (वैशाली) ने प्रियंका कुमारी (कटिहार) को 3-1, मेधावी (पटना) ने एंजेल (भागलपुर) को 3-0, बंदना (वैशाली) ने सुप्रिती (पटना) को 3-0 से हराया।

### ♦ तीन दिनों तक चलेगा इवेंट

**हम जीतेंगे और जरूर जीतेंगेः** मुख्य अतिथि राजेंद्र पठानिया ने कहा कि खेल को हमेशा जीतने के लिए खेलना है। हम जीतेंगे और जरूर जीतेंगे, यही लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने बच्चों से बहुत सारी बातें की। साथ ही तकनीकी ज्ञान भी दिया। पठानिया ने कहा कि बिहार सॉफ्ट टेनिस का यह प्रयास एक दिन जरुर रंग लाएगा। इस अवसर पर आलोक आजाद ने कहा सॉफ्ट कि टेनिस निरंतर अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन को अच्छा से अच्छा करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। मैं इनको शुभकामना देता हूं।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

संक्षिप्त समाचार

## संत जेवियर्स स्कूल के प्रांगण में शनिवार को मदर्स डे मनाया गया

**मोतिहारी**। घोड़ासहन प्रखंड स्थित बीआरसी रोड में संत जेवियर्स स्कूल के प्रांगण में शनिवार को मदर्स डे मनाया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विद्यालय प्रबंधक सुजीत जायसवाल के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। प्रबंधक ने उपस्थित बच्चों एवं उनकी माताओं को संबोधित करते मदर्स डे पर प्रकाश डाला तथा बताया कि इस संसार मे माता- पिता ही सबसे बड़ा भगवान है। जिसने हमें जन्म दिया है। जिनके भरोसे आप सभी यहाँ पर शामिल हुए हैं। मौके पर छात्र छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रुप डांस,कॉमेडी,भाषण,वाद-विवाद प्रतियोगिता सहित अन्य कार्यक्रम शामिल रहा। बेहतर प्रस्तुति करने वाले दर्जनों छात्रों को विद्यालय प्रबंधन की ओर से संम्मानित किया गया। कार्यक्रम में पहुँचे बच्चो के माताओं को भी सम्मानित किया गया। मौके पर मुखिया प्रतिनिधि मनोज जायसवाल, मुखिया उदय सोनम जायसवाल, शिक्षक साक्षी, रोहित, प्रफुल, केशव, रेणु,रोहित सहित अन्य कई शिक्षा प्रेमी मौजूद रहें।।

## रामजानकी मंदिर से अष्टधातु की मूर्ति की हुई चोरी

**मोतिहारी**। जिले के पताही थाना क्षेत्र के बखरी और नोनफरवा गांव स्थित राम-जानकी मंदिर से शुक्रवार की रात सीता माता की मूर्ति चोरी कर ली गई। चोरी हुई दोनों मंदिरों की मूर्ति अष्टधातु की बताई गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में दोनो मंदिर के पुजारी ने थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरो के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है। बताया गया है कि प्रतिदिन की भांति मंदिर के कार्यवाहक पुजारी जनक धारी दास में पूजा पाठ के बाद मंदिर बंद कर घर चला गये। सुबह पहुंचने पर मंदिर के उत्तरी भाग के गेट का जंजीर टूटा हुआ देखा। मंदिर में प्रवेश करते ही माता सीता की मूर्ति गायब मिली। एक ही रात में इस तरह से दो मंदिर में मूर्तियों की चोरी हो जाने पर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है। इसके पूर्व पताही के ही बोकाने कला गांव के मंदिर से मूर्ति के चोरी हुई थी,जो मूर्ति अब तक बरामद नहीं हो सका है। इस संबंध में पताही थानाध्यक्ष कैलाश कुमार ने बताया कि मंदिर में मूर्ति की चोरी हो जाने की सूचना प्राप्त हुआ है। जिसकी जांच की जा रही है। जल्द ही चोरी हुई मूर्ति को बरामद कर लिया जाएगा।

## मतदान प्रतिशत बढ़ाने को लेकर चलाया गया मतदाता जागरूकता अभियान

**मोतिहारी**। जिले के घोड़ासहन प्रखंड अंतर्गत गुलरिया टोला स्थित आंगनबाड़ी केंद्र संख्या -35 पर आगामी 25 मई को लोकसभा आम चुनाव के मद्देनजर रखते हुए अधिक से अधिक मतदाताओं की संख्या बढ़े जिसको लेकर मतदाता जागरूकता अभियान चलाया गया। सीडीपीओ कुमारी अंजना के निर्देश पर महिला पर्यवेक्षिका संगीता कुमारी ने बताया कि मतदान में हिस्सा लेना बड़े ही सौभाग्य की बात होती है। हमें मतदान में बढ़ - चढ़कर हिस्सा लेनी चाहिए। आम नागरिकों को भी इस अभियान के तहत विशेष जागरूकता पर बल दिया गया। मतदाता जागरूकता अभियान के बैनर तले स्लोगन "सारे काम छोड़ दो, सबसे पहले वोट दो" "मेरा वोट मेरा - भविष्य" कोई मतदाता ना छूटे जिसको लेकर जिला प्रशासन पूर्वी चंपारण मोतिहारी व आईसीडीएस पूर्वी चंपारण के तत्वाधान में यह विशेष अभियान चलाया गया। मौके पर आंगनवाड़ी सेविका ललिता देवी व सहायिका के साथ दर्जनों लाभार्थी उपस्थित रही।

## मोतिहारी पुलिस ने गांजा समेत एक तस्कर को किया गिरफ्तार

**मोतिहारी**। जिले के दरपा थाना क्षेत्र में 2 किलो 40 ग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया। इसकी जानकारी देते एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि गुप्त सूचना के बाद छौड़ादानो अंचल पुलिस निरीक्षक धनंजय कुमार के नेतृत्व में टीम गठित कर कारवाई का निर्देश दिया गया। टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी कर बगही चौक के समीप एक तस्कर को एक किलोग्राम मादक पदार्थ (गांजा) के साथ गिरफ्तार किया गया, जिसकी निशानदेही पर छापेमारी कर अन्य जगह पर छुपा कर रखे 1.040 कि०ग्रा० मादक पदार्थ (गांजा)और बरामद किया गया। गिरफ्तार तस्कर की पहचान दरपा थाना क्षेत्र निवासी कलाम आलम के रूप में हुई है। पुलिस ने इसके पास से कुल 2 किलो 40 ग्राम गांजा इलेक्ट्रॉनिक माप तौल मशीन,एक मोबाइल व एक बाइक बरामद किया है। इस मामले में दरपा थाना में मामला दर्ज करकांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

# बिगनी मलाहीन : साहब चीनी मिल से पुदीना का रस निकालेंगे!

सागर सूरज

**मोतिहारी**। लोकसभा चुनाव के महज चंद रोज बाकी रह गया है। 25 जून को सम्पन्न होने वाले लोकतंत्र के इस महापर्व को लेकर मतदाता सहित प्रत्याशी और उसके समर्थक तक खासे उत्साहित नजर आ रहे है। जातियों के बड़े चेहरे सोशल मीडिया पर अच्छे बुरे प्रत्याशियों के बारे मे अपने विचार दे रहे है, ऐसे मे राजनीतिक गर्माहट महज चौक-चौराहे तक ही सीमित नहीं रहा गया है, बल्कि सोशल मिडिया पर भी पोस्ट और रिप्लाइ के थ्रेड लंबे होते जा रहे है, जिसको लेकर सामाजिक बैमन्यस्यता भी लगातार बढ़ती जा रही है। इसी बीच उद्योगपति और इसी लोकसभा के निवासी राकेश पांडे के पोस्ट ने सोशल मेडिया पर भूचाल खड़ा कर दिया। राकेश पांडे की पहली पोस्ट थी, जिसमे आरोप लगाया जा रहा है कि भाजपा को कुछ लोग सिर्फ राजपूत की पार्टी बनाने पर तुले है, जबकि यह सभी जातियों और धर्म की पार्टी है। एक और पोस्ट था, जो मोतिहारी से छः बार सांसद रहे राधा मोहन सिंह के पुजारी वाले बयान को लेकर कहा गया था कि मंदिर बचाना है और पुजारी हटाना है। इन सारे पोस्ट पर हजारों शेयर्स और कमेन्ट आए और ये पोस्ट मोतिहारी सांसद राधा मोहन

सिंह जो वर्तमान मे पुनः भाजपा प्रत्याशी है, को निशाने पर लेकर कहा और लिखा जा रहा है | जाहिर सी बात है सांसद की आईटी सेल को ऐक्टिव होना ही था और आरोप प्रत्यारोप का सिलसिला भी शुरू होना ही था, ऐसे मे बिगनी मलाहीन भी कहा चुप रहती। बिगनी मलाहीन राकेश पांडे के एक पोस्ट से काफी इतफ़ाक रखती है, पोस्ट था – कुछ लोग जिस तरह विकास का गुण-गान कर रहे है लगता है नेता जी अपने 52 बिगहा बेच कर विकास कर दिए और जो कुछ बचा उससे मोतिहारी चीनी मिल से पुदीना का रस निकाल रहे है। कहती है राकेश पांडे भी एक भाजपाई है उनका आक्रोश मोदी से नहीं बल्कि साहब से है। राकेश पांडे ने बिना शिलापट्ट पर अपना नाम लिखवाए

अपनी कमाई के रुपये से जिले के लिए जो कुछ भी किया वह कबीले तारीफ है। हिन्दू मुस्लिम लड़कियों की शादी, मंदिर मस्जिद का निर्माण और दान, छात्रों के लिए लाइब्रेरी, सबसे बड़ी बात जम्मू और कश्मीर मे चंपारण के लोगों को ले जाकर झंडोंतोलन करना साथ ही मोतिहारी के मंदिरों सहित अयोध्या के राम मंदिर मे योगदान की क्या चर्चा नहीं होनी चाहिए। बिगनी पूछी अगर जिले मे साहब ने कुछ विकास किया भी तो जिले वासियों पर कोई एहसान नहीं किया। इसीलिए तो 30 वर्षों से जिले के लोग इनको संसद भेज रहे है, और कई करोड़ के सांसद फंड सहित सरकार के विभिन्न योजनाओं से कुछ विकास अगर हुआ भी तो, साहब का काम भी तो यही था ना, लेकिन विदेशों मे रह कर कठिन परिश्रम से राकेश पांडे ने अपनी अर्जित संपत्ति का एक बड़े अंश से अगर अपने देश प्रेम, गृह जिला प्रेम को दर्शा रहे है तो क्या उन्हे राजनीतिक सवाल करने का हक नहीं है। राकेश पांडे के पोस्ट से मोतिहारी के बंद चीनी मिल पर भी सवाल है। पीएम भी जब मोतिहारी आए तो दूसरी बार आने पर चीनी मिल के चीनी का चाय पीने की बात कही थी, लेकिन साहब तो मोदी से यह कार्य भी नहीं करवा सके। बिगनी ने कहा पार्टी लोगों के मर्जी के विरुद्ध साहब को प्रत्याशी के रूप मे थोप दिया ऐसे मे लोगों का आक्रोश तो सामने आएगा ही। साहब ने पिछले मीटिंग मे कहा था कि अगर पुजारी ने बातासा नहीं दिया तो आप मोदी की मंदिर को ना तोड़े, यानि स्पष्ट किया की फिर से मोदी के नाम पर हमे गटक ले | इसिलिए राकेश पांडे ने पुजारी बदलने की बात की। राकेश पांडे और जिले के एक बाहुबली दोनों ही साहब का विरोध कर रहे है। जाहिर है 25% से 30 % ब्राह्मणों का वोट भी अगर महागठबंधन प्रत्याशी मे शिफ्ट हुआ और जिले के वैश्य और भूमिहार वोटों मे जिस तरह राजेश कुशवाहा सेंध लगा रहे है, साहब के 4 लाख पार वाली सपना महज सपना ही रह जाएगा। राकेश पांडे अपने प्रभाव से बाकी जातियों के वोट भी प्रभावित कर सकते है।

क्रमशः...

## किशोरी के साथ दुष्कर्म मामले में एक को बीस वर्षों का कठोर कारावास

**मोतिहारी**। सप्तम जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह पॉक्सो एक्ट के विशेष न्यायाधीश अवधेश कुमार ने एक किशोरी के साथ दुष्कर्म कर घटना का वीडियो वायरल करने के मामले में दोषी पाते हुए बीस वर्षों का कठोर कारावास व दस हजार रुपए अर्थ दंड की सजा सुनायी है।अर्थ दंड नहीं देने पर एक माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। सजा हरसिद्धि थाना के सेवराहा निवासी कपिल देव पंडित के पुत्र सतेंद्र पंडित को हुई। मामले में पीड़िता की मां ने केसरिया थाना में मामला दर्ज कराते हुए सतेंद्र पंडित सहित दो को नामजद किया था। सतेंद्र केसरिया थाना के बेनीपुर गांव के हरेंद्र पंडित का दामाद है। वह ससुराल आया हुआ था। प्राथमिकी में कहा गया था कि 28 मार्च 2021 को वह गेहूं की कटनी करने खेत में गई थी। घर पर उसकी नाबालिक पुत्री थी। नामजद अभियुक्त अपने एक दोस्त के साथ मिलकर किशोरी को घर में बंद कर हथियार का भय दिखाकर दुष्कर्म किया। वहीं उसके दोस्त ने घटना का वीडियो बनाया। वे लोग

पीड़िता को धमकी दिए कि घटना किसी को बताई तो वीडियो वायरल कर देंगें। बाद में अभियुक्त ने घटना की खींची गई वीडियो वायरल कर दिया। ामले में वाद संख्या 45/2921 विचारण के दौरान अपर लोक अभियोजक कुमार शिवशंकर सिंह ने सात गवाहों को न्यायालय में प्रस्तुत कर अभियोजन पक्ष रखा। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों के दलीलें सुनने के बाद धारा 376(3) भादवि, 4 पॉक्सो एक्ट एवम् 67(बी) आईटी एक्ट में दोषी पाते हुए उक्त सजा सुनाया।

## सुरक्षा व अनुशासन के बीच विद्यालय द्वारा आयोजित बैच होल्डर चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न

**मोतिहारी**। जिले के घोड़ासहन प्रखंड स्थित शिक्षा क्षेत्र में चर्चित विद्यालय ज्ञान ज्योति के प्रांगण में शनिवार को सुरक्षा व अनुशासन के बीच विद्यालय द्वारा आयोजित बैच होल्डर चुनाव शांतिपूर्ण संपन्न हुआ। चुनाव में कुल 32 पदों के लिए 65 उम्मीदवार चुनावी मुकाबले में थे। चुनाव के कारण विद्यालय परिसर में माहौल काफी उत्साह व जोश से भरा था। वर्चुअल ईवीएम द्वारा अपने मताधिकार का प्रयोग करने वाले छात्र-छात्राओं ने इसे अभूतपूर्व व सराहनीय कदम बताया। परिसर में गहमागहमी के माहौल के बीच उम्मीदवार छात्र-छात्राएं मतदाताओं को अपने पक्ष में मतदान करने हेतु गोलबंद करते देखे गए। वहीं छात्राओं ने लम्बे- लम्बे कतार में लगकर मतदान करने के बाद खुशी का इजहार किया। इस संबंध में जानकारी देते हुए विद्यालय मुख्य चुनाव आयुक्त शुभोजित बनर्जी ने बताया कि बैच होल्डर चुनाव के अंतर्गत हेड ब्वॉय, हेड गर्ल, स्कूल कैप्टन, वाईस कैप्टन, अनुशासन कैप्टन, वाईस कैप्टन,स्वच्छता कैप्टन,वाईस कैप्टन, खेलकूद कैप्टन, वाईस कैप्टन और प्रफेक्ट्स जैसे पदों के लिए छात्र छात्राओं ने उत्साह और प्रसन्नता के साथ मतदान किया है। चुनाव संपन्न कराने

वाले पदाधिकारियों में चुनाव आयुक्त कमलेश जायसवाल, अरुंधती बनर्जी के अलावे कृति क्षेत्री, मोना रिजाल, गौतम सैंतरा, मो. जावेद और मो. असफ ने अहम भूमिका निभाई। इस दौरान विद्यालय परिवार के करीब 1200 छात्र-छात्राओं व 150 शिक्षक व शिक्षकेत्तर कर्मचारियों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया है। वहीं विद्यालय के निदेशक प्रेमचन्द प्रसाद ने भी कतार में लगकर अपना मतदान करने के बाद प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि विद्यालय द्वारा आयोजित मतदान प्रक्रिया से छात्र-छात्राओं में लोकतंत्र में चुनाव का महत्व और चुनावी राजनीति विषयक पर ज्ञानवर्धन होगा।

## आपके संचार कौशल पर निर्भर करती है उद्यमिता की सफलता: डॉ. शिवेंद्र

- वाणिज्य विभाग का उद्यमिता जागरूकता शिविर हुआ संपन्न
- विद्यार्थियों ने शिविर को ज्ञानवर्धक व उत्साहवर्धक बताया

**मोतिहारी**। महात्मा गांधी केंद्रीय विवि की वाणिज्य विभाग की ओर से चल रहा तीन दिवसीय उद्यमिता जागरूकता शिविर संपन्न हो गया। शहर अंतर्गत बलुआ टाल स्थित विभागीय परिसर में केंद्र सरकार की विज्ञान एवं प्रोद्योगिकी विभाग की ओर से प्रायोजित शिविर में तीसरे व अंतिम दिन शनिवार को वक्ताओं का उद्यमिता में संचार कौशल की उपयोगिता पर जोर रहा। इससे पहले विभाग के प्राध्यापक सह कार्यक्रम सह संयोजक डॉ. अवनीश कुमार ने वक्ताओं का स्वागत कर शिविर की शुरूआत की। प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के शोधार्थी शिवशंकर कुमार ने उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं सहायता प्रदान करने वाली बैंकिंग एवं वित्तीय संस्थाओं पर चर्चा की। साथ ही शिविर में बड़ी संख्या में पहुंचे विद्यार्थियों से अधिक से अधिक सरकार की योजनाओं का लाभ उठाने का आह्वान किया।

दूसरे सत्र को वाणिज्य विभाग के सहायक प्राध्यापक डॉ. शिवेंद्र सिंह ने उद्यमिता में संचार कौशल की उपयोगिता पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। साथ ही इस पर कई प्रेरक उदाहरण भी प्रस्तुत किए। कहा कि उद्यमिता की सफलता आपके संचार कौशल पर निर्भर करता है। तीसरे सत्र को संबोधित करते हुए वाणिज्य विभाग के पूर्ववर्ती छात्र जय बजरंग एंड संस प्रा.लि के प्रबंधक प्रदीप कुमार ने उद्यमिता के लिए किस प्रकार की चुनौतियां आएंगी और इसका सामना कैसे करना है? इस पर विस्तार पूर्वक चर्चा की। उन्होंने सफल उद्यमियों का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। इस पर शिविर में मौजूद विद्यार्थियों में एक सफल उद्यमी बनने की ललक देखने को मिली। अंतिम सत्र में छात्र-छात्राओं ने अपने-अपने अनुभवों को साझा किया और शिविर को सार्थक व ज्ञानवर्धक बताया। इस कड़ी में कुछ विद्यार्थियों ने अपनी जिज्ञासाएं भी साझा की और इस पर काम करने के लिए दृढनिश्चय नजर आएं। इस कड़ी में प्रबंध विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष सह कार्यक्रम संयोजक डॉ. पवनेश कुमार ने शिविर के सफल क्रियान्वयन के लिए पदाधिकारी व शोधार्थियों को बधाई दी। मौके पर डॉ. रविशचंद्र वर्मा, डॉ. आशुतोष कुमार के अलावा शोधार्थी व बड़ी संख्या में विभाग के विद्यार्थी उपस्थित थे।

## लोकसभा चुनाव को लेकर बैंक कर्मी यूपीआई से लेन देन पर रखें नजरः संयुक्त कर आयुक्त

**मोतिहारी**। निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह नोडल पदाधिकारी सह-राज्य-कर संयुक्त आयुक्त मोतिहारी संतोष कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को समाहरणालय स्थित डा० राजेन्द्र प्रसाद सभागार में जिले के सभी बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक,जिला समन्वयक शाखा प्रबंधक एवं डाक अधीक्षक की संयुक्त बैठक किया गया। बैठक के दौरान नोडल पदाधिकारी ने कहा कि लोक सभा चुनाव के दौरान निर्वाचन प्रक्रिया को दूषित करने के उद्देश्य से संदेहास्पद लेन-देन, अभ्यार्थियो के खाता खोलने, खाता का संचालन, नगद राशि के परिवहन एवं यूपीआई यथा फोन पे, पेटीएम, गूगल पे एवं अन्य सभी प्रकार की यूपीआई से लेन देन पर नजर रखने को कहा गया। साथ ही इसको लेकर कई आवश्यक दिशा निर्देश भी दिये गये। उन्होने कहा कि लेन देन के सभी गतिविधियों पर पैनी निगाह रखे। संदेहास्पद लेन-देन या 10 लाख से अधिक नगद जमा व निकासी अथवा साथ रखा पाये जाने पर इसकी जानकारी आयकर अधिकारी/नोडल पदाधिकारी, निर्वाचन व्यय अनुश्रवण कोषांग, पूर्वी चम्पारण, मोतिहारी को भी प्रतिदिन देना सुनिश्चित करें।

## नरेंद्र मोदी को तीसरी बार पीएम बनाने के लिए कमल फूल पर दबावे बटनः मांझी

**मोतिहारी/हरसिद्धि**। केंद्र में नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए कमल के फूल पर बटन दबाकर एनडीए प्रत्याशी राधा मोहन सिंह को विजयी बनावें। उक्त बातें बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी ने हरसिद्धि के चंपारण बैंक्विट रिसोर्ट में आयोजित विजय संकल्प सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहीं। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अनुसूचित जाति, जनजाति व दलित वर्ग के मान सम्मान को बढ़ाया है, साथ ही गरीब माता-बहनो की आंखों के आंसू पोंछे हैं। उन्होंने कहा कि छोटी-मोटी गलतियों पर ध्यान न देकर मोदी जी पर ध्यान दें। उन्होंने देश को काफी आगे बढ़ाया है, उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति के रामनाथ कोविंद और अनुसूचित जनजाति की द्रोपति मुर्मू को उन्होंने राष्ट्रपति बनाया। वाल्मीकि जी का भी मान सम्मान बढ़ाया है। अयोध्या में उन्होंने महर्षि वाल्मीकि अयोध्या एयरपोर्ट नामकरण किया है। पीएम मोदी राशन कार्ड धारी

को 5 किलो अनाज दे रहे हैं, जो देश के किसी भी पीडीएस दुकान से उपभोक्ता ले सकते हैं, उन्होंने कहा कि मोदी ने गरीबों के गरीबी को देखा है। वे गरीब परिवार से आए हैं इसलिए गरीबों के दुख दर्द को समझते हैं, उन्होंने नीतीश कुमार की चर्चा करते हुए कहा कि 2005 के पहले बिहार की हालत बहुत खराब थी, कोई व्यक्ति सुबह घर से निकलता था तो शाम को वापस आएगा की नहीं इसकी गारंटी नहीं थी, लेकिन नीतीश कुमार ने अपने शासनकाल में सबके भय को दूर किया। देश व प्रदेश में सड़क बिजली का जाल बिछा दिया। उन्होंने कहा कि यहां के प्रत्याशी राधा मोहन सिंह छह बार सांसद बन चुके हैं, सातवी बार अर्जी लगाई हैं इसलिए कमल के फूल पर 25 मई को बटन दबाकर राधा मोहन सिंह को जितावे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनावें। वही स्थानीय निवर्तमान सांसद सह भाजपा प्रत्याशी राधा मोहन सिंह ने कहा कि 10 वर्षों में नरेंद्र मोदी जी ने लकड़ी के चूल्हा जलाने वाली माता-बहनों को गैस की सुविधा प्रदान की। सभी को इज्जत घर दिया, लोग अंधेरा में रहते थे, उन्हें रोशनी प्रदान की, कोरोना महामारी में टीका लगवाकर लोगों के जीवन को बचाया। उस समय उन्होंने 5 किलो अनाज दिया और उसे बढ़ाकर उन्होंने 5 वर्षों के लिए कर दिया है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेई ने अंबेडकर जी को भारत रत्न प्रदान किया। वहीं मोदी जी ने अंबेडकर जी का पंच तीर्थ बना बनवाया। उन्होंने कहा कि पुसा में सेंट्रल यूनिवर्सिटी बनाने के लिए माझी जी से भूमि की मांग की थी तो उन्होंने पिपरा और परसौनी में भूमि प्रदान की। मोदी जी ने देश का पूर्ण विकास किया है, इसलिए उन्हें तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए कमल के फूल पर बटन दबाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता हम पार्टी के जिला अध्यक्ष राजन कुमार ने की। वहीं मंच संचालन बीजेपी के महादलित प्रकोष्ठ के प्रभारी शिवकुमार माझी ने किया। मौके पर भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य राजेंद्र प्रसाद गुप्ता, पवन राज, विजय राम, ई. रमेश पासवान, देवेश सिंह, छोटेलाल कुशवाहा, रवि विश्वकर्मा, मार्कण्डेय कुशवाहा निकेश सिंह, जाहिद खान आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

## पोस्टल बैलेट से होने वाले मतदान प्रक्रिया का दिया गया प्रशिक्षण

**मोतिहारी**। जिला मुख्यालय मोतिहारी स्थित महात्मा गांधी प्रेक्षा गृह में जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-जिलाधिकारी सौरव जोरवाल की अध्यक्षता में अपर समाहर्ता मुकेश कुमार सिन्हा के द्वारा पोस्टल बैलेट से की जाने वाली मतदान प्रक्रिया का प्रशिक्षण सेक्टर पदाधिकारी को दिया गया। इस दौरान अपर समाहर्ता ने बताया कि मतदान कर्मियों का द्वितीय प्रशिक्षण 14 मई से 18 मई तक दिया जाएगा। इस अवधि में मतदान कर्मियों का वोटिंग प्रशिक्षण केंद्र पर ही विशेष फैसिलिटेशन सेंटर पर कराया जाएगा।इसके लिए विधानसभा वार फैसिलिटेशन सेंटर बनाया जाएगा एवं अलग से अभिप्रमाणन पदाधिकारी सहित पोलिंग पदाधिकारी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय की प्रतिनियुक्ति की जाएगी। उन्होने बताया गया कि पोलिंग पदाधिकारी प्रथम मतदाता की पहचान करेंगे,पोलिंग पदाधिकारी द्वितीय अमिट स्याही लगाएंगे तथा पोलिंग पदाधिकारी तृतीय मतदाता को वैलेट पेपर उपलब्ध कराएंगे। प्रत्येक मतदान कर्मी जिनके द्वारा वोटिंग किया जाएगा उनका फोटो युक्त पहचान पत्र होना जरूरी रहेगा। प्रशिक्षण के दौरान सभी तरह के प्रपत्रों को भरने के विषय में जानकारी दी गई एवं बैलेट पेपर का सीरियल नंबर यथा स्थान पर लिखना अनिवार्य बताया गया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने कहा कि प्रपत्र-12 में 85 वर्ष से अधिक आयु वाले मतदाता एवं दिव्यांगजन मतदाता से प्राप्त आवेदनों के आधार पर उनके घर पर जाकर 17 मई को बैलेट पेपर के माध्यम से वोटिंग कराई जाएगी। ऐसे सभी मतदाताओं को चिन्हित कर लिया गया है एवं इसकी सूची सभी सेक्टर पदाधिकारी को उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए अलग से टीम गठित की जाएगी जो संबंधित सेक्टर पदाधिकारी के नेतृत्व में पोलिंग पार्टी एवं पुलिस बल के साथ संबंधित मतदाता के घर जाएंगे और संपूर्ण प्रक्रिया की वीडियोग्राफी करते हुए संबंधित मतदाता से बैलेट पेपर में उनका मतदान प्राप्त करेंगे। इस तरह के मतदाताओ को भी मतदान के समय अपना फोटो युक्त परिचय पत्र दिखाना अनिवार्य किया गया है।

Lakshya Raj Public School
LAKSHYA RAJ KIDZEE
Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

## संक्षिप्त समाचार

### दर्द:-हादसे में परिजनों ने अपनों को खोया

**(बारसोई)कटिहार**। बारसोई आबादपुर पंचायत स्थित मिस्त्रीटोला ग्राम के दो प्रवासी मजदूरों रिजाउल(27)एवं नाजिम(29) की मृत्य दिल्ली के नोएडा इलाके में एक निर्माणाधीन इमारत से अचानक नीचे गिर जाने के चलते शुक्रवार की देर संध्या हो गयी। बता दें कि दोनों ही युवक अब से लगभग एक सप्ताह पूर्व जीविकोपार्जन के लिए दिल्ली स्थित नोएडा गए हुए थे। शुक्रवार की देर शाम जैसे ही उन दोनों के घरों में उक्त हादसे की खबर मिली तो परिवार पर मानों दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घटना की खबर सुनते ही माता पिता एवं पत्नी तथा परिवार के सभी सदस्य छाती पीट पीट कर रोने लगे। दोनों ही युवकों के घरों में जैसे कोहराम मच गया। दोनों ही युवक शादी शुदा हैं। दोनों ही युवक अपने अपने परिवार में अकेले कमाने वाले थे। इस संबंध में पंचायत के मुखिया शहंशाह अजीजी ने बताया कि मृतक रिजाउल एवं नाजिम शुक्रवार को दिल्ली स्थित नोएडा में मजदूरी कर रहे थे।वे लोग एक 20 मंजिला निर्माणाधीन इमारत में मजदूरी के कार्य में लगे हुए थे। वे लोग लिफ्ट से निर्माणाधीन सामग्री को नीचे से ऊपर ले जा रहे थे। इस दौरान लिफ्ट अचानक ही अनियंत्रित होकर ऊपर से नीचे आ गिरी। उस समय नाजिम एवं रिजाउल दोनों ही लिफ्ट में ही मौजूद थे। लिफ्ट के अचानक नीचे आजाने से दोनों ही युवक बुरी तरह से घायल हो गया । दोनों ही युवक बेहोश हो गए। घटनाअस्थल पर ही उन दोनों की मौत हो गई। मृतक दोनों ही युवक परिवार में अकेले कमाने वाले थे। उन दोनों की इस तरह से अचानक मृत्यु हो जाने से परिवार के समक्ष कई तरह के आर्थिक संकट उत्पन्न हो गये हैं। वही इस संबंध में जिला परिषद सदस्य मोहम्मद गुलजार ने पीड़ित परिवार से मिलकर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया जिला प्रशासन से मांग किया कि पीड़ित परिवार को मुआवजा राशि जल्द से जल्द दिया जाए । वही अंतिम दर्शन के लिए पीड़ित परिवार के घर में लोगों का लगा है ताता ।

### अन्तर्राज्यीय शातिर अपराधी लोडेड कट्टा व तीन जिंदा कारतूस के साथ हुआ गिरफ्तार

**कटिहार**। झारखंड स्थित मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 227/19 के वांछित आरोपी अमित कुमार ऊर्फ नथुनी यादव , मिर्जापुर निवासी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। अंचल पुलिस निरीक्षक रामचन्द्र मंडल ने मनिहारी थाना परिसर में पत्रकार वार्ता कर यह जानकारी दी कि 10 मई को पुलिस को सूचनाएं मिली कि मनिहारी शब्जी मंडी में दो लोग आपस में लड़ाई कर रहे हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस दल ने मौके से लोडेड कट्टा एवं तीन जिंदा कारतूस के साथ मिर्जापुर निवासी अमित कुमार ऊर्फ नथुनी यादव को धर दबोचा ।सख्ती के की गयी पूछताछ में उसकी निशानदेही पर मिर्जापुर स्थित उसके घर की तालाशी के क्रम मे एक और देशी कट्टा एवं आठ जिंदा गोली पुलिस ने बरामद की। इन्सपेक्टर श्री मंडल ने बताया कि अमित ऊर्फ नथुनी यादव की आपराधिक पृष्ठभूमि रही है। मनिहारी थाना मे उसके विरुद्ध कांड संख्या 214/22, 246/22, 18/24 दर्ज है। जबकि झारखंड स्थित साहिबगंज मुफ्फसिल थाना कांड संख्या 227/19 में वह वांछित आरोपी है। इसकी गिरफ्तारी के लिए दल में थानाध्यक्ष पंकज आनंद ,पुअनि अंजनी कुमार, पुअनि रामरतन कुमार,प्र पुअनि निशा रानी , प्र पुअनि भार्गवों कुमारी सहित अन्य अधिकारी व बल के जवन शामिल थे।

### कटिहार डीएम ने किया निरीक्षण

**कटिहार**। कटिहार डीएम मनेश कुमार मीणा जिला पदाधिकारी महोदय कटिहार के द्वारा जिला व्यवहार न्यायालय, कटिहार के न्यायिक पदाधिकारियों के आवास निर्माण, जिला Vulnerable Witness Deposition Complex/ POCSO Court के निर्माण, उत्पाद से संबंधित मामले का त्वरित निष्पादन हेतु विशेष न्यायालय के भवन निर्माण, पर्यवेक्षक गृह के निर्माण, जिला अभियोजन कार्यालय भवन निर्माण तथा कटिहार जिला व्यवहार न्यायालय अंतर्गत अधिवक्ता प्रशाल भवन एवं कंप्यूटर कक्ष के निर्माण हेतु प्रस्तावित भूमि का निरीक्षण किया गया। उक्त क्रम में जिला पदाधिकारी महोदय ने भवन निर्माण हेतु खेल भवन परिसर, अनुमंडल पदाधिकारी सदर के आवास के निकट अवस्थित भूमि, सहकारिता कार्यालय भवन के निकट अवस्थित भूमि, जल संसाधन कार्यालय के परिसर में अवस्थित भूमि , बाल गृह आश्रम के निकट अवस्थित भूमि का निरीक्षण किया। उसी क्रम में जिला पदाधिकारी महोदय द्वारा अंचलाधिकारी को संबंधित भूमि का विधिसम्मत प्रस्ताव को अग्रेत्तर कार्रवाई हेतु उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही अनुमंडल पदाधिकारी को उक्त सरकारी भूमि का अवैध कब्जा से मुक्त कराने हेतु विधि सम्मत कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया। इस निरीक्षण के दौरान जिला पदाधिकारी महोदय के साथ अपर समाहर्ता, प्रभारी पदाधिकारी राजस्व शाखा, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, अंचलाधिकारी कटिहार एवं अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

### हसनगंज थाना प्रांगण में जनता दरबार का हुआ आयोजन, जनता दरबार में मौजूद रहे सीओ

**(हसनगंज)कटिहार**। हसनगंज प्रखंड के हसनगंज थाना प्रांगण में भूमि विवाद संबंधित मामलों की सुनवाई को लेकर जनता दरबार का आयोजन किया गया. आयोजित जनता दरबार की अध्यक्षता सीओ कृष्ण मोहन कुमार व थानाध्यक्ष अनीस कुमार ने संयुक्त रूप से किया. मौके पर भूमि विवाद संबंधित कुल पांच मामलों में दो मामलों का निष्पादन किया गया. जिसको लेकर सीओ कृष्ण मोहन कुमार ने बताया। कि भूमि विवाद मामलों के निपटारा हेतु हसनगंज थाना प्रांगण में जनता दरबार का आयोजन किया गया है. बताया जनता दरबार में आए मामलों की इंट्री कर सुनवाई की पहल शुरू की गई, जिसमें भूमि मापी, बंटवारा, दखल कब्जा, सिमांकन आदि मामलों को लेकर आवेदन आए हुए हैं. मौके पर वादी व प्रतिवादी की मौजूदगी में क्षेत्रों से आए मामलों का निष्पादन किया गया. साथ ही भूमि विवाद संबंधित आए पांच मामलों में दो मामलों का निष्पादन किया गया।

# बारसोई एएनएम स्कूल में धूमधाम से अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया गया

**(बारसोई)कटिहार**

बारसोई अनुमंडलीय अस्पताल बारसोई के परिसर में स्थित एएनएम स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस का आयोजन किया गया। हालांकि रविवार को छुट्टी होने के कारण एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अनुमंडलीय अस्पताल के गणमान्य पदाधिकारी को अतिथ के तौर पर आमंत्रण किया गया था। वहीं सभी लोगों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उक्त स्कूल के प्राचार्य के नाथ ने अनुमंडलीय उपाधीक्षक मोहम्मद उस्मानी को पौधा देकर सम्मानित किया गया।उसके बाद स्कूल की छात्राओं ने सांस्कृतिक और रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वही छात्राओं के नृत्य के माध्यम से लोगों का मनोरंजन किया और संदेश भी दिया गया। वहीं श्री उस्मानी ने सभी छात्राओं और स्कूल के स्टाफ को नर्स दिवस की शुभकामना देते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने और सेवा भाव से काम करने को कहा। जबकि स्कूल के प्राचार्य के नाथ ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। और आभार जताया। उपस्थिति से -छात्राओं को संबोधित करते हुए प्राचार्य के नाथ ने कहा कि मेहनत ही बुलंदी तक पहुंचना है। सभी लोग मन लगाकर मेहनत करें और लगन से जो भी जानकारी दिए जाते हैं इस पर अमल जरूर करें शिक्षा और ज्ञान आपके साथ जाएगा आने वाला कल आप लोगों को सेवा देने का मौका मिलेगा । वहीं इस अवसर पर डॉक्टर प्रेम कुमार,, डॉक्टर रोहित कुमार, आशा प्रबंधक राजीव कुमार, अनुमंडलीय अस्पताल के प्रबंधक नोएद आलम यूनिसेफ के बीएमसी मुजाहिद हुसैन इत्यादि व्यक्ति प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

# एएनम व स्वास्थ्य कर्मियों की हुई समीक्षा बैठक

**(हसनगंज)कटिहार**

हसनगंज प्रखंड स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हसनगंज में शनिवार को एएनम व स्वास्थ्य कर्मियों की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. साथ ही परिवार नियोजन पखवाड़ा तहत चल रहे हैं पुरुष नसबंदी व महिला बंध्याकरण ऑपरेशन कार्यों में तेजी लाने पर चर्चा की गई. मौके पर बैठक की अध्यक्षता पीएचसी प्रभारी डा आरसी ठाकुर ने किया। आयोजित बैठक में क्षेत्रों में चल रहे स्वास्थ्य योजनाओं को धरातल पर कैसे बेहतर करें, लोगों को शत् प्रतिशत लाभ कैसे मिले, इसको लेकर प्रमुखता से विचार विमर्श किया गया. साथ ही एनसीडी, मेडिसिन, आरसीएच, नियमित टीकाकरण यह सभी कार्यों में तेजी लाने का निर्देश संबंधित स्वास्थ्य कर्मियों को दिया गया है। बताया हर हाल में सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ आमजनों को समय पर मिले इसको ध्यान में रखते हुए कार्य करने की जरूरत है. साथ ही परिवार नियोजन तहत पुरुष नसबंदी को लेकर क्षेत्रों में जागरूकता लाने पर चर्चा हुई. मौके पर आयोजित समीक्षात्मक बैठक में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा की गई. इस अवसर पर स्वास्थ्य प्रबंधक धनंजय कुमार, बीसीएम संगीता कुमारी सहित स्वास्थ्य कर्मी आदि मौजूद रहे।

### 25लीटर देशी महुआ शराब के साथ पांच तस्कर गिरफ्तार, भेजा गया जेल

**(आजमनगर)कटिहार**। संध्या गस्ती के दौरान आजमनगर पुलिस ने मिली सूचना के आधार पर स्टेशन के निकट नाल्कोपा गांव के समीप 25 लीटर देशी महुआ शराब के साथ पांच शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है।पूछ-ताछ करने पर शराब तस्करों ने अपना नाम धर्मदेव सिंह, धर्मेंद्र सिंह ग्राम बरहट बताया। जबकि दूसरे ने फंटूश कुमार पिता ललित सिंह ग्राम स्टेशन रोड के निकट गांव नलकोपा बताया।विक्रम सिंह तथा उपेंद्र सिंह दोनों बंगाल राज्य स्थित हरिशचंद्रपुर थाना क्षेत्र निवासी बताया।थानाध्यक्ष कुंदन कुमार सिंह ने बताया शराब अधिनियम वर्ष 2016 के तहत केस दर्ज करते हुए सभी पांच शराब तस्करों को न्यायिक हिरासत में कटिहार भेज दिया गया है।

## सारण की जांबाज एएनएम अंजू कुमारी

**छपरा**

वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण काल की बातें या चर्चाएं शुरू होती है। तो आम से लेकर खास तक की जुबां पर स्वास्थ्य विभाग के चिकित्सकों एवं नर्सों का ख्याल सबसे पहले आ जाता है, क्योंकि इन्हीं लोगों के बदौलत न जाने कितनों की जिंदगियां वापस लौटी होगी। अनुमंडलीय अस्पताल सोनपुर की उपाधीक्षक सह प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ पूनम कुमारी का कहना है कि कोरोना संक्रमण काल के दौरान अपनी जिंदगी की चिंता छोड़ कोविड- 19 टीकाकरण में अपनी जिम्मेदारियों को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने में स्थानीय अस्पताल की एएनएम अंजू कुमारी आगे रहीं है। क्योंकि कोरोना संक्रमण काल के दौरान एएनएम स्कूल में कोरोंटाइन सेंटर में चौबीसों घंटे रह कर अपने कर्तव्यों को बखूबी निभायी है। हालांकि इसके अलावा कोरोना जांच के साथ ही पंजीकरण की जिम्मेदारियों का डट कर सामना किया है। वहीं जब 15 जनवरी 2021 को टीकाकरण की शुरुआत हुई तो सोनपुर के कसमर पंचायत अंतर्गत दियारा जैसे दुर्गम क्षेत्रों में जाकर शत-प्रतिशत टीकाकरण जैसे कार्यो में महती भूमिका निभायी हैं।

**कोविड- 19 संक्रमण काल के दौरान कोरेंटिन सेंटर और जांच सहित दियारा क्षेत्रों के ग्रामीणों को टीकाकरण में अपनी जिम्मेदारियों को शत प्रतिशत सुनिश्चित कराने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका: सिविल सर्जन**

सिविल सर्जन डॉ सागर दुलाल सिन्हा ने कहा कि चिकित्सकीय सहायता प्रदान करने में चिकित्सकों के अलावा स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत एएनएम, जीएनएम सहित कई अन्य कर्मियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इनके सार्थक प्रयास से ही अस्पतालों में इलाज़रत मरीज जल्द स्वस्थ होकर अपने घर जाते हैं। स्वास्थ्य केंद्रों में कार्यरत नर्स रोगियों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका को सार्थक रूप देने का काम करती है। एक अच्छी नर्स के द्वारा मरीज़ों का लगातार ध्यान देना उतना ही महत्वपूर्ण होता है, जितना कि एक विशेषज्ञ सर्जन के द्वारा किसी भी ऑपरेशन के दौरान अपनी जिम्मेदारियों को निभाया जाना होता है। हालांकि आने वाले वर्षों में वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों का समाधान करने के लिए नर्सिंग सेवा से बेहतर कोई विकल्प नहीं है। मनोबल बढ़ाने के लिए नर्सिंग सेवा से जुड़ी एएनएम या स्टाफ नर्स को उत्कृष्ट कार्यों को लेकर समय- समय पर प्रोत्साहित किया जाता है।

**विगत 17 वर्षो से जिले के विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में ग्रामीणों की कर रही हूं सेवा: अंजू कुमारी**

नालंदा जिले के नगरनौसा प्रखंड की रहने वाली एएनएम अंजू कुमारी ने बताया कि सबसे पहले अक्तूबर 2008 में सोनपुर के शाहपुर दियारा स्थित स्वास्थ्य केंद्र में अस्थायी तौर पर आई थी। उसके बाद दिसंबर 2009 में माँझी, जून 2010 में सोनपुर, दिसंबर 2017 में नगरा और अक्तूबर 2019 में स्थायी रूप से सेवा देने के लिए गड़खा में पदस्थापित हुई। लेकिन कोरोना संक्रमण काल के दौरान जून 2020 में स्थानांतरित होकर सोनपुर वापस आ गई। कोरोना काल जब धीरे- धीरे कम हुआ तो सोनपुर के कसमर पंचायत के 10 वार्ड कसमर का तो तीन वार्ड गंगा नदी से दक्षिण छितरचक के ग्रामीणों की सेवा करने के लिए स्थायी रूप से कार्य कर रही हूं। एएनएम अंजू कुमारी के अनुसार जून 2010 से लेकर दिसंबर 2017 तक सेवाएं देने के बाद इसी जिले के दूसरे स्वास्थ्य संस्थान स्थानांतरण हो गया था लेकिन जब वैश्विक स्तर पर कोरोना संक्रमण का दौर आया तो जून 2020 में पुनः मेरा स्थानांतरण सोनपुर के कसमर जैसे क्षेत्र में कर दिया गया। उसके बाद से लेकर अनवरत क्षेत्रीय लोगों के साथ कार्य करने का मौका मिला है।

**साल के 8 महीने 8 किलोमीटर दूर का सफर तय करना मजबूरी नही बल्कि जरूरी: एएनएम**

एएनएम अंजू कुमारी ने बताया कि कोरोना संक्रमण काल के दौरान 16 अगस्त 2020 को झंडातोलन के बाद मेरा तबियत खराब होने लगा तो कोविड- 19 जांच के बाद मुझे संक्रमित पाया गया था। उसके बाद किराए के मकान में रहने लगी तो मेरी एक बेटी और एक बेटा भी कोरोना सक्रमित हो गया। जिस कारण मुझे बहुत ज्यादा झेलना पड़ा था। क्योंकि कोरोना संक्रमण काल के दौरान पूरा परिवार मेरे पास ही आ गया था। कसमर पंचायत का तीन वार्ड गंगा नदी के उस पार यानी दक्षिणी भाग में पड़ता है। जहां के ग्रामीण कहा करते हैं कि आपसे पहले यहां कोई भी एएनएम दीदी नही आती थी जिस कारण टीकाकरण तो दूर की बात है। किसी भी प्रकार की बीमारी का इलाज या टीकाकरण कराने के लिए पटना जिला का रुख करना पड़ता था। तीन वार्ड के लोगों के स्वास्थ्य लाभ दिलाने या अपने कर्तव्यों का अक्षरशः पालन करती आ रही हूं। हालांकि उस पार जाने के लिए पैदल के अलावा कोई साधन ही नही है लेकिन इसके बावजूद वहां जाकर टीकाकृत करने का काम करती हूं। साल के 8 महीने 8 किलोमीटर दूर का सफर तय करना मजबूरी नही बल्कि जरूरी होता है, क्योंकि 4 महीने तो बरसात के कारण रास्ता बंद ही रहता है।

# सूखे पेड़ मौत को दे रहा है निमंत्रण,वन विभाग और अधिकारी मौन?

**कटिहार**

बिहार सरकार लगातार प्रदूषण के स्तर को कम करने के लिए जहाँ जल जीवन हरियाली जैसी योजनाओं के साथ-साथ अन्य कई महत्वपूर्ण योजनाएं के तहत आम लोगो मे जागरूकता फैलाकर खाली पड़ी सरकारी जमीन के साथ साथ निजी जमीन पर भी हरे पेड़ लगाने के लिए आम लोगो मे जागरुकता फैला रहे हैं ताकि प्रदेश मे हरे भरे पेड़-पौधे लगा कर इसकी संख्या बढ़ाई जाए ताकी प्रदूषण के स्तर को कमसे कम किया जा सके। जहां सूख चुके पेड़ बड़ी घटनाओं को निमंत्रण दे रहे हैं लेकिन इस ओर ना तो वन विभाग और न ही स्थानीय प्रशासन या निजी स्वामित्व रखने वालों का ध्यान है।

**सूखे पेड़ जान भी ले सकते जान हैं:-** सबसे बाड़ी और भयावह स्थिति कटिहार सदर प्रखंड क्षेत्र के उप स्वास्थ्य केंद्र के पीछे सूख चुके एक पेड़ बड़ी दुर्घटनाओं को निमंत्रण दे रहे हैं लेकिन इस ओर ना तो वन विभाग और न ही सदर प्रखंड मुख्यालय के अधिकारी ध्यान दे रहे है। जहाँ सेमल का विशाल पेड़ की एक मोटी और बड़ी टहनिया सुख कर उप स्वास्थ्य केंद्र के छत के ऊपर मौत बनकर झूल रहीं वहीँ सूख चुके विशाल पेड़ कभी भी बड़ी घटना का गवाह बन सकता है। जिले के विभिन्न क्षेत्र की मुख्य सड़कों, आसपास के गांवों में बस्ती के बीच और सड़कों के किनारे सूखे पड़े है बरसात के दिनों में इन सूखे पेड़ों के गिरने का खतरा अधिक हो जाता है बावजूद इसके जिम्मेदार विभाग इन्हें कटवाने को लेकर पूरी तरह संवेदनशील नहीं दिख रही। लोगों की

मानें तो मौसम के मिजाज के मुताबिक चलने वाली तेज हवा से ये पेड़ कभी भी आपने बजूद से धराशायी होकर जमीन पर गिर जमीदोष हो सकते है इससे स्थानीय जन मानस को जान माल के साथ भारी छाती का सामना करना पड़ सकता है। आंधी चलने से इन सूखे पेड़ों के कारण कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। ये पेड़ कभी भी सड़क पर गिर सकते हैं, जिससे सड़क पर आने-जाने वाले राहगीरों को क्षति भी हो सकती है। वहीँ जिला मुख्यालय स्थित अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के कार्यालय के सामने पेड़ की बड़ी और मोटी तहानियाँ सुख गई है कभी भी तेज हवाओं के चलने के साथ गिर सकता है जिसमे जो पूरी तरह सूखकर सड़न का शिकार हो रही है जहाँ से जिले मे सरकार की योजनाओं को सही तरीके से अमली जामा पहनाने वाले अधिकारि से लेकर इन अधिकारियों के सामने अपनी फरयाद

लेकर हर समय बड़ी संख्या में गरीब और लाचार पीड़ित यहां आते रहते हैं जो दुर्घटनाओं का शिकार हो सकते है। इस पेड़ की लगभग सभी डालियां

सड़कर आंधी की भेंट चढ़ चुकी है संयोगवश ये डालियां किसी वाहन या पैदल राहगीर को अबतक अपना निशाना नहीं बना है।

# मनमानी: जिला मुख्यालय से लेकर अनुमंडल और प्रखंडो तक फैला है अवैध नर्सिंग होम का नेटवर्क

- **बेतिया, बगहा,नरकटियागंज, लौरिया, गौनाहा सहित सभी जगहों पर खुलेआम चल रहा अवैध नर्सिंग होम।**
- **अवैध नर्सिंग होम, पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड के संचालन में किसकी है मेहरबानी।**
- **विभाग की मेहरबानी,अवैध नर्सिंग होम संचालकों को नही हो रही है कोई परेशानी।**
- **नर्सिंग होम, पैथलॉजी और अल्ट्रासाउंड के संचालक फर्जी तरीके से लगाए रहते हैं एमबीबीएस का बोर्ड।**
- **स्वास्थ्य विभाग जान बुझ कर बना रहता है अनजान।**

**बेतिया**

पश्चिम चंपारण जिला मुख्यालय बेतिया से लेकर सभी अनुमण्डल और प्रखंड के विभिन्न जगहों पर अवैध नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउंड,का धड़ल्ले से संचालन हो रहा है।जिला मुख्यालय का शहर हो या फिर प्रखंड क्षेत्र का ग्रामीण बाजार सभी जगहों पर नर्सिंग होम, पैथोलॉजी , अल्ट्रासाउंड का कारोबार कुकुरमुत्ता की तरह फैल गया है। रोचक पहलू यह है कि बेतिया मेडिकल कॉलेज और रेफरल अस्पतालों के समीप ही कई अवैध नर्सिंग होम, पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउंड संचालित हो रहे है। इन संचलकों के द्वारा अपने नर्सिंग होम, पैथलॉजी, और अल्ट्रासाउंड सेंटर के बाहर बड़े बड़े अक्षरों में एमबीबीएस, सर्जन फिजिशियन का नाम लखकर भोले भाले लोगों को गुमराह कर अपने जाल में फंसा कर गरीब मरीजों का आर्थिक शोषण खुलेआम करते हुए दिख जाते हैं। मगर हैरतअंगेज वाली बात यह है की स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी सबकुछ जान कर अनजान बने रहते है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के मुताबिक इन नर्सिंग होम, पैथोलॉजी और अल्ट्रासाउंड के संचालकों द्वारा इसके बदले में तय रकम प्रत्येक माह स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को दी जाती है। तब जाकर खुलेआम धड़ल्ले से नर्सिंग होम का संचालन हो पाता है। हालांकि अवैध नर्सिंग होम में मरीज की मौत होने के बाद हंगामा होने पर प्रशासन जागती है और कार्रवाई करती है।

# मंदिर से अष्टधातु की मूर्ति की हुई चोरी

**पूर्वी चंपारण**

जिले के पताही थाना क्षेत्र के बखरी और नोनफरवा गांव स्थित राम-जानकी मंदिर से शुक्रवार की रात सीता माता की मूर्ति चोरी कर ली गई। चोरी हुई दोनों मंदिरों की मूर्ति अष्टधातु की बताई गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच शुरू कर दी है। इस संबंध में दोनो मंदिर के पुजारी ने थाने में आवेदन देकर अज्ञात चोरो के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है। बताया गया है कि प्रतिदिन की भांति मंदिर के कार्यवाहक पुजारी जनक धारी दास में पूजा पाठ के बाद मंदिर बंद कर घर चला गये। सुबह पहुंचने पर मंदिर के उत्तरी भाग के गेट का जंजीर टूटा हुआ देखा। मंदिर में प्रवेश करते ही माता सीता की मूर्ति गायब मिली। एक ही रात में इस तरह से दो मंदिर में मूर्तियों की चोरी हो जाने पर ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त है।

# संपादकीय

## भ्रष्टाचार के तहखाने में नोटों की गड्डी

क्या वजह है कि काले धन पर काबू पाने के लिए बनाए गए कायदे-कानून को लेकर सख्ती के दावों के बावजूद भ्रष्ट आचरण में लिप्त नेता या अफसर को कई-कई करोड़ रुपए नगद अपने घरों में छिपा कर रखने में कोई खौफ नहीं होता झारखंड सरकार के मंत्री आलमगीर आलम के पीएस के सहायक के ठिकाने पर ईडी की रेड हुई है। इस दौरान भारी मात्रा में कैश बरामद हुआ है। लंबे समय से देश भर में काले धन के खिलाफ अभियान चल रहा है। जांच एजंसियां लगातार सक्रिय हैं। मगर तमाम कवायदों के बावजूद इस समस्या से पार पाना बड़ी चुनौती बनी हुई है। सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय यानी ईडी ने झारखंड की राजधानी रांची में राज्य सरकार में मंत्री आलमगीर आलम के निजी सचिव के घरेलू सहायक के घर छापेमारी की, जिसमें पैंतीस करोड़ रुपए से ज्यादा की नकदी बरामद हुई। खबर के मुताबिक, यह छापेमारी झारखंड ग्रामीण विकास विभाग के मुख्य अभियंता से जुड़े मामले में हुई है, जिसे ईडी ने पिछले वर्ष धनशोधन के मामले में गिरफ्तार किया था। धनशोधन का सिरा मंत्री के निजी सचिव और उसके घरेलू सहायक से भी जुड़ा हुआ था, इसलिए ईडी ने उसे जांच और कार्रवाई के दायरे में लिया। सवाल है कि इतनी बड़ी रकम काले धन के रूप में किसी के घर में पड़ी थी, तो इस तरह का भ्रष्टाचार बिना किसी उच्च स्तरीय संरक्षण के चलना कैसे संभव है! सवाल यह भी है कि भ्रष्टाचार और काले धन के खिलाफ अभियान चलाने और इसके खात्मे के लिए हर स्तर पर कार्रवाई करते हुए पिछले आठ-वर्षों में जितने वादे और दावे किए गए, उसके मुकाबले कामयाबी कहां दिखती है! आखिर क्या वजह है कि हर कुछ दिनों बाद किसी नेता या अधिकारी के घर या दफ्तर में छापे मारे जाते हैं, वहां से करोड़ों रुपए नगद बरामद होते हैं समझना मुश्किल है कि जांच एजंसियों की सघन कार्रवाइयों के बीच दीवार फोड़ कर कहां से इतनी भारी मात्रा में नगदी निकल आती है क्या वजह है कि काले धन पर काबू पाने के लिए बनाए गए कायदे-कानून को लेकर सख्ती के दावों के बावजूद भ्रष्ट आचरण में लिप्त नेता या अफसर को कई-कई करोड़ रुपए नगद अपने घरों में छिपा कर रखने में कोई खौफ नहीं होता कहा जा सकता है कि सरकारी एजंसियां भ्रष्टाचार और काले धन की समस्या को खत्म करने को लेकर सक्रिय हैं। मगर यह भी सच है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ने और संबंधित महकमों या एजंसियों की अति-सक्रियता के बावजूद इस समस्या पर काबू पाना आज भी मुश्किल साबित हो रहा है।

## तय हुआ आधा सफर

देश में लोकसभा चुनाव का तीसरा चरण मंगलवार को संपन्न हो गया। कहने को चार चरण और बचे हैं, लेकिन कुल 283 लोकसभा क्षेत्रों में मतदान हो चुका है, जबकि बहुमत का जादुई आंकड़ा 272 है। ऐसे में कहा जा सकता है कि हम मध्य अप्रैल से लेकर जून के पहले सप्ताह तक फैले इस चुनावी सफर का आधा रास्ता तय कर चुके हैं। इस बार अब तक के चुनावों का सबसे दिलचस्प पहलू मतदान प्रतिशत साबित हुआ है। शुरुआती दोनों दौर में वोटिंग 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों के मुकाबले कम रही। तीसरे चरण में भी यह ट्रेंड बदलता नहीं दिखा। हालांकि चुनाव आयोग के आधिकारिक आंकड़े आने में अभी वक्त है, फिर भी शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक कुछ खास राज्यों और चुनाव क्षेत्रों में भले वोट प्रतिशत कुछ ज्यादा हो, राष्ट्रीय औसत देखते हुए कहा जा सकता है कि मतदाताओं में कोई अतिरिक्त उत्साह इस बार भी नजर नहीं आया। यह तथ्य दिलचस्प इसलिए भी बन गया है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों खेमे इसकी अपने मुताबिक व्याख्या करते हुए इसे जीत के अपने दावे का आधार बना रहे हैं। सत्तारूढ़ एनडीए का कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत लोकप्रियता को ध्यान में रखें तो साफ हो जाता है कि भाजपा और सहयोगी दलों के समर्थक मतदाता पहले की तरह वोट दे रहे हैं। वे इसमें भाजपा की चुस्त चुनावी मशीनरी की भूमिका को भी रेखांकित करते हैं। इसके विपरीत विपक्षी खेमे का कहना है कि 2014 और 2019 के चुनावों को मोदी समर्थक मतदाताओं के उत्साह ने ही खास बनाया था। इस बार लोगों में वैसा जोश नहीं है। वे कहते हैं कि यह तथ्य जैसे वोटिंग प्रतिशत में नजर आया है, वैसे ही रिजल्ट में भी दिखेगा। इस चुनाव प्रक्रिया की जीवंतता का एक उदाहरण यह भी है कि अब तक के दौरों में वोटरों के रेस्पॉन्स के आधार पर विभिन्न दलों की प्रचार शैली में खास बदलाव दिख रहा है। पहले और दूसरे चरण के बाद चुनाव प्रचार ज्यादा तीखा होता दिखा।

# अमेरिकी बैंक क्यों हो रहे दिवालिया

(प्रह्लाद सबनानी)

*अब इन बैंकों को बांड में निवेश की बाजार कीमत कम होने के स्तर तक प्रावधान करने को कहा गया है और यह राशि इन बैकों के पास उपलब्ध ही नहीं है, जिसके चलते भी यह बैंक असफल हो रहे हैं। एक सर्वे में यह बताया गया है कि आने वाले समय में अमेरिका में 190 अन्य बैंकों के असफल होने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि ब्याज दरों के बढ़ने से ऋण की मांग बहुत कम हो गई है। विभिन्न कम्पनियों ने अपने विस्तार की योजनाओं को रोक दिया है, इससे निर्माण की गतिविधियों में कमी आई है।*

सिलिकन वैली बैंक ने कई तकनीकी स्टार्ट अप एवं उद्यमी पूंजी फर्म को ऋण प्रदान किया था। बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 20,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्तियां थी। अमेरिका के बड़े आकार के बैंकों में गिना जाता था। हाल ही के समय में डूबने वाले बैंकों में दूसरा सबसे बड़ा बैंक माना जा रहा है।

अमेरिका में वर्ष 2023 में 3 बैंक (सिलिकन वैली बैंक, सिगनेचर बैंक, फर्स्ट रिपब्लिक बैंक) डूब गए थे एवं वर्ष 2024 में भी एक बैंक (रिपब्लिक फर्स्ट बैंक) डूब गया है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अमेरिकी केंद्रीय बैंक, यूएस फेडरल रिजर्व, द्वारा ब्याज दरों में की गई वृद्धि के चलते बैंकों के असफल होने की यह परेशानी बहुत बढ़ गई है। सिलिकन वैली बैंक ने कई तकनीकी स्टार्ट अप एवं उद्यमी पूंजी फर्म को ऋण प्रदान किया था। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 20,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्तियां थी और यह अमेरिका के बड़े आकार के बैंकों में गिना जाता था और हाल ही के समय में डूबने वाले बैंकों में दूसरा सबसे बड़ा बैंक माना जा रहा है। इसी प्रकार, सिगनेचर बैंक ने न्यूयॉर्क कानूनी फर्म एवं अचल सम्पत्ति कम्पनियों को ऋण सुविधाएं प्रदान कर रखी थीं। इस बैंक के पास वर्ष 2022 के अंत में 11,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की सम्पत्ति थी और अमेरिका में हाल ही के समय में डूबने वाले बड़े बैंकों में चौथे स्थान पर आता है। 31 जनवरी 2024 तक के आंकड़ों के अनुसार, रिपब्लिक फर्स्ट बैंक की कुल सम्पत्तियां 600 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं जमाराशि 400 करोड़ अमेरिकी डॉलर थीं। न्यू जर्सी, पेनसिल्वेनिया और न्यूयॉर्क में बैंक की 32 शाखाएं थीं जिन्हें अब फुल्टन बैंक की शाखाओं के रूप में जाना जाएगा क्योंकि फुल्टन बैंक ने इस बैंक की सम्पत्तियों एवं जमाराशि को खरीद लिया है। पीयू रिसर्च संस्थान के अनुसार, चार शताब्दी पूर्व, वर्ष 1980 एवं वर्ष 1995 के बीच अमेरिका में 2,900 बैंक असफल हुए थे। इन बैंकों के पास संयुक्त रूप से 2.2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की सम्पत्ति थी। इसी प्रकार, वर्ष 2007 से वर्ष 2014 के बीच अमेरिका में 500 बैंक, जिनकी कुल सम्पत्ति 95,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर थी, असफल हो गए थे। ऐसा कहा जाता है कि विशेष परिस्थितियों को छोड़कर अमेरिका में सामान्यतः बैंक असफल नहीं होते हैं। परंतु, इस सम्बंध में अमेरिकी रिकार्ड कुछ और ही कहानी कह रहा है। वर्ष 1941 से वर्ष 1979 के बीच, अमेरिका में औसतन 5.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 1996 से वर्ष 2006 के बीच औसतन 4.3 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं एवं वर्ष 2015 से वर्ष 2022 के बीच औसतन 3.6 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। वर्ष 2022 में अमेरिकी बैंकों को 62,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुक्सान हुआ था। इसके पूर्व, वर्ष 1921 से वर्ष 1929 के बीच अमेरिका में औसतन 635 बैंक प्रतिवर्ष असफल हुए हैं। यह अधिकतर छोटे आकार के बैंक एवं ग्रामीण बैंक थे और यह एक ही शाखा वाले बैंक थे। अमेरिका में आई भारी मंदी के दौरान वर्ष 1930 से वर्ष 1933 के बीच 9,000 से अधिक बैंक असफल हुए थे। इनमें कई बड़े आकार के शहरों में कार्यरत बैंक भी शामिल थे और उस समय इन बैंकों में जमाकर्ताओं की भारी भरकम राशि डूब गई थी। वर्ष 1934 से वर्ष 1940 के बीच अमेरिका में औसतन 50.7 बैंक प्रतिवर्ष बंद किए गए थे। अमेरिका में इतनी भारी मात्रा में बैंकों के असफल होने के कारणों में मुख्य रूप से शामिल है कि वहां छोटे छोटे बैंकों की संख्या बहुत अधिक होना है। बैकों के ग्राहक बहुत पढ़े लिखे और समझदार हैं। बैंक में आई छोटी से छोटी परेशानी में भी वे बैंक से तुरंत अपनी जमाराशि को निकालने पहुंच जाते हैं, जबकि बैंक द्वारा इस राशि से खड़ी की गई सम्पत्ति को रोकड़ में परिवर्तित करने में कुछ समय लगता है। इस बीच बैंक यदि जमाकर्ता को जमाराशि का भुगतान करने में असफल रहता है तो उसे दिवालिया घोषित कर दिया जाता है और इस प्रकार बैंक असफल हो जाता है। कई बार बैंकों द्वारा किए गए निवेश (सम्पत्ति) की बाजार में कीमत भी कम हो जाती है, इससे भी बैंकें अपने जमाकर्ताओं को जमाराशि का भुगतान करने में असफल हो जाते हैं। अभी हाल ही में अमेरिका में मुद्रा स्फीति की दर को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में लगातार बढ़ौतरी की गई है, जिससे इन बैकों द्वारा अमेरिकी बांड में किये गए निवेश की बाजार में कीमत अत्यधिक कम हो गई है। अब इन बैंकों को बांड में निवेश की बाजार कीमत कम होने के स्तर तक प्रावधान करने को कहा गया है और यह राशि इन बैकों के पास उपलब्ध ही नहीं है, जिसके चलते भी यह बैंक असफल हो रहे हैं। एक सर्वे में यह बताया गया है कि आने वाले समय में अमेरिका में 190 अन्य बैंकों के असफल होने का खतरा मंडरा रहा है क्योंकि ब्याज दरों के बढ़ने से ऋण की मांग बहुत कम हो गई है। विभिन्न कम्पनियों ने अपने विस्तार की योजनाओं को रोक दिया है, इससे निर्माण की गतिविधियों में कमी आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक, फेडरल रिजर्व, का पूरा ध्यान केवल मुद्रा स्फीति को कम करने पर है एवं अमेरिकी अर्थव्यवस्था में विकास दर को नियंत्रित करने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में उत्पादों की मांग कम हो और मुद्रा स्फीति को नियंत्रण में लाया जा सके। इसके चलते कई कम्पनियां अपने कर्मचारियों की छंटनी कर रही है एवं देश में युवा वर्ग बेरोजगार हो रहा है। पूंजीवाद पर आधारित आर्थिक नीतियां अमेरिका में बैंकिंग क्षेत्र में उत्पन्न समस्याओं का हल नहीं निकाल पा रही हैं। अब तो अमेरिकी अर्थशास्त्री भी मानने लगे हैं कि आर्थिक समस्याओं के संदर्भ में साम्यवाद के बाद पूंजीवाद भी असफल होता दिखाई दे रहा है एवं आज विश्व को एक नए आर्थिक मॉडल की आवश्यकता है। इन अमेरिकी अर्थशास्त्रियों का स्पष्ट इशारा भारत की ओर है क्योंकि इस बीच भारतीय आर्थिक दर्शन पर आधारित मॉडल भारत में आर्थिक समस्याओं को हल करने में सफल रहा है। अमेरिका में बैकों के असफल होने की समस्या मुख्यतः मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से ब्याज दरों में की गई वृद्धि के कारण उत्पन्न हुई हैं। दरअसल, मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के उद्देश्य से उत्पादों की मांग को कम करने के लिए ब्याज दरों में वृद्धि करने के स्थान पर बाजार में उत्पादों की उपलब्धता बढ़ाई जानी चाहिए।

# कर्नाटक की राह में रेवन्ना मोड़

(एस श्रीनिवासन, वरिष्ठ पत्रकार)

भारतीय जनता पार्टी ने दक्षिण भारत में चुनावी लाभ का जो सपना देखा था, वह कर्नाटक के बदले घटनाक्रम से जैसे घिरता हुआ दिख रहा है। पिछली बार प्रदेश की 28 में से 25 सीटें जीतने वाली भाजपा को इस बार बड़ी जीत के लिए ज्यादा जोर लगाना पड़ रहा है। सबकी जुबान पर सवाल है कि क्या पेन-ड्राइव सेक्स स्कैंडल और लिंगायत समाज (उत्तरी कर्नाटक में भगवा दल का पारंपरिक वोट बैंक) में उत्साह की कमी से भाजपा की संभावनाओं पर असर पड़ सकता है दरअसल, जनता दल (सेक्युलर) के संरक्षक एचडी देवेगौड़ा के पोते प्रज्वल रेवन्ना का सेक्स स्कैंडल एक अप्रत्याशित झटके की तरह पार्टी के सामने आया है। एनडीए के बड़े नेता रेवन्ना के विदेश भागने के लिए सूबे की सिद्धारमैया सरकार पर उंगली उठाकर विवाद से बचने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह मसला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। जैसे-जैसे विशेष जांच दल (एसआईटी) की कार्रवाई आगे बढ़ रही है, गौड़ा परिवार के अंदर की सड़ांध बाहर आ रही है। जनता दल (सेक्युलर) के लिए शर्मिंदगी की बात यह भी है कि पुलिस ने प्रज्वल के पिता और परिवार के बड़े बेटे एचडी रेवन्ना को, जो खुद भी विधायक हैं, एक पीड़िता के अपहरण के आरोप में गिरफ्तार किया है। वह रेवन्ना परिवार की घरेलू सहायिका थी और कहा जाता है कि परिवार का राज न खुले, इसलिए उसे एक फॉर्म हाउस में बंधक बनाकर रखा गया था। साफ है, अपने दादा की पारंपरिक लोकसभा सीट 'हासन' से एक और कार्यकाल की उम्मीदें पालने वाले प्रज्वल रेवन्ना ने अपने कारनामे से पूरे परिवार को बेतहाशा दुख और शर्मिंदगी में डुबो दिया है। उल्लेखनीय है, पूर्व प्रधानमंत्री देवेगौड़ा ने अपनी बढ़ती उम्र (वह 90 साल से अधिक आयु के हैं) की परवाह किए बिना जोरदार प्रचार किया था और मतदाताओं से अपने पोते को एक और मौका देने की भावनात्मक अपील की थी। दूसरे चरण के चुनाव-प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी प्रज्वल और एचडी देवेगौड़ा के साथ मंच साझा किया था। हालांकि, जब यह स्कैंडल सामने आया, तब तक कर्नाटक में पहले चरण की 14 सीटों के लिए चुनाव हो चुके थे, लेकिन इसका असर शेष 14 निर्वाचन क्षेत्रों पर पड़ने की आशंका है, जो कर्नाटक के उत्तरी हिस्से की सीटें हैं। पहले चरण का मतदान राज्य के दक्षिणी हिस्से में हुआ था, जहां वोक्कालिगा समुदाय प्रभावी है और देवेगौड़ा का पारंपरिक वोटर है। कर्नाटक में भाजपा ने यह सोचकर जनता दल (सेक्युलर) के साथ गठबंधन किया था कि इससे उसे लाभ मिलेगा। मगर रिपोर्टों के मुताबिक, वोक्कालिगा समुदाय के ही डीके शिवकुमार (उप-मुख्यमंत्री) की मदद से कांग्रेस यहां भाजपा को टक्कर दे रही है। इसीलिए माना जा रहा है कि इस बार 2019 की तरह भाजपा को आसानी से शायद ही सफलता मिल सकेगी। विधानसभा चुनाव में अप्रत्याशित जीत हासिल करने वाली कांग्रेस ने भाजपा पर दबाव बनाए रखा है। उसने अपने जमीनी कार्यकर्ताओं में एक नई जान फूंक दी है और अपने सभी विधायकों-मंत्रियों अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में वोट हासिल करने का लक्ष्य दे दिया है। एनडीए नेताओं ने यह कहकर मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास किया है कि समय पर कार्रवाई करने में सिद्धारमैया सरकार विफल रही और प्रज्वल को विदेश भागने का मौका मिल गया। मगर इसका उल्टा असर तब हुआ, जब प्रज्वल के एक पूर्व ड्राइवर का विस्फोटक वीडियो वायरल हो गया। उस ड्राइवर ने कहा कि 15 साल तक परिवार की सेवा करने के बाद उसने एक वर्ष पहले नौकरी छोड़ दी। उसका दावा है कि उसने पेन ड्राइव की एक कॉपी स्थानीय भाजपा नेता देवराज गौड़ा को दी थी, किसी कांग्रेस नेता को नहीं। देवराज ने दिसंबर में इस मुद्दे पर प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की थी और रेवन्ना की उम्मीदवारी का भी वह कड़ा विरोध करते रहे। देवराज के मुताबिक, उन्होंने इस वीडियो की जानकारी भाजपा के राज्यस्तरीय नेताओं के साथ-साथ कई केंद्रीय मंत्रियों को भी दी थी।

## सुडोकू पहेली क्रमांक- 5367

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 3 | 6 | 9 | | | | | |
| 2 | | | | 8 | | | | 5 |
| | | | 1 | | 6 | 8 | | |
| | 2 | 7 | 4 | | 1 | | 9 | |
| | 1 | | | | | | 4 | |
| | 4 | | 2 | | 8 | 7 | 3 | |
| | | 2 | 8 | | 5 | | | |
| 1 | | | | 3 | | | | 6 |
| | | | | | 9 | 2 | 8 | |

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

### सुडोकू पहेली क्र. 5366

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 6 | 2 | 3 | 1 | 9 | 4 | 8 | 5 |
| 9 | 4 | 3 | 5 | 8 | 6 | 7 | 1 | 2 |
| 5 | 8 | 1 | 7 | 2 | 4 | 6 | 9 | 3 |
| 6 | 3 | 4 | 9 | 7 | 5 | 1 | 2 | 8 |
| 1 | 9 | 7 | 8 | 3 | 2 | 5 | 6 | 4 |
| 2 | 5 | 8 | 4 | 6 | 1 | 3 | 7 | 9 |
| 3 | 2 | 5 | 1 | 9 | 7 | 8 | 4 | 6 |
| 8 | 1 | 9 | 6 | 4 | 3 | 2 | 5 | 7 |
| 4 | 7 | 6 | 2 | 5 | 8 | 9 | 3 | 1 |

## वर्ग पहेली 5367

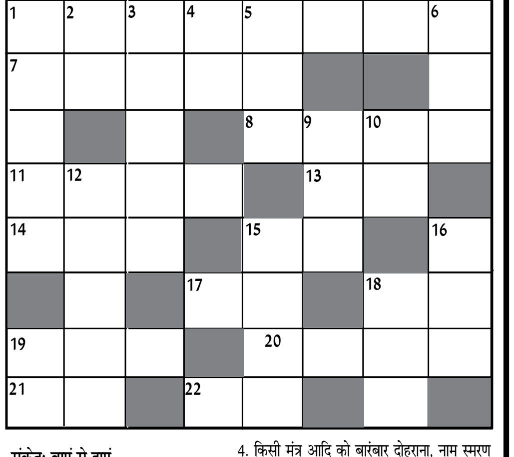

**संकेतः बाएं से दाएं**

1. 20 जून 2001 को इन्हें पाकिस्तान का राष्ट्रपति बनाया गया (8)
7. चलचित्र दिखाने का पर्दा (5)
8. शैलीकार को यह भी कहते है (4)
11. ये छत्रपति शिवाजी के गुरू थे (4)
13. किन्हीं दो स्थानों के बीच दूर तय करने वाली विभक्ति, पर्यंत (2)
14. माता का वह दुलार या लाड़-प्यारजो उसकी संतान पर होता है (3)
15. रामायणनुसार यह सुग्रीव का भ्राता तथा अंगद का पिता था, कान में पहनने का आभूषण, कर्ण श्रृंगार (2)
17. कार्य या शक्ति का मात्रक (2)
18. दायक, देने वाला (2)
19. आरजू, तमन्ना, हसरत, आकांक्षा (3)
20. आलोकित, दीप्त, चमकता हुआ (4)
21. फतह (2)
22. सड़क पथ, मार्ग (2)

**ऊपर से नीचे**

1. जनदग्नि के पुत्र जो ईश्वर के सोलहवें अवतार माने जाते है, वैशाख शुक्ल तीज को इनकी जयंती मनाई जाती है (5)
2. धूल, गर्द, पराग के कण (2)
3. तनख्वाह या वेतन देने वाला (5)
4. किसी मंत्र आदि को बारंबार दोहराना, नाम स्मरण (2)
5. गठरी, पोटली, बंडल, मोटरी (3)
6. भिक्षुक, संयासी, दरवेश, भिखमंगा (3)
9. रंग-बिरंगे पंख वाला कीट, इसे चित्रपतंग भी कहते है (3)
10. काग, कौआ (2)
12. ममतापूर्ण, माता के लाड़-प्यार से भरा हुआ (5)
15. रामायण का एक भाग जिसमें श्रीराम के बाल्यकाल का वर्णन है (4)
16. औलाद, संतति, पुत्र या पुत्री (3)
18. जो रिश्तें में बेटी का पति हो, जंवाई (3)
19. बटन का घर, कार्य, मंगलोत्सव (2)

### वर्ग पहेली 5366 का हल

| | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| रा | हु | ल | गां | धी | | ना | ते |
| म | त | | धा | र | क | | ज |
| च | | म | री | ज | | | |
| रि | वा | ज | | | न | मा | ना |
| त | | बू | टा | | ज | ल | न |
| मा | हि | र | | क | र | | क |
| न | त | | | पा | बं | दी | |
| स | | | फ | ल | द | | |

# आज का राशिफल

### मेष
आज का दिन अनुकूल है और आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। जो काम हाथ में लेंगे उसमें आपको सफलता मिलेगी। उत्तम राज योग का संयोग बन रहा है। आज आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग हैं। कुछ आकस्मिक लाभ भी हो सकते हैं। शाम से लेकर रात्रि तक शुभ व धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आज आपको जरूरी कार्य में खर्च करना पड़ सकता है।

### वृष
आज का दिन आर्थिक लाभ से भरा होगा और आज आपकी कार्य से संबंधित योजनाएं सफल होंगी। आज आपको सम्मान की प्राप्ति होगी। आप अपने किए कार्यों की प्रशंसा से फूले नहीं समाएंगे। रात्रि के समय किसी सामाजिक समारोह में शामिल होने का मौका आपको मिलेगा।

### कर्क
आज भाग्य साथ दे रहा है और आज आपके लिए ग्रहों के शुभ योग बन रहे हैं। आज घर में भाइयों से आपका विवाद उग्र रूप धारण कर सकता है। शत्रु पक्ष के लोग आपकी परेशान कर सकते हैं। आप अपनी कार्यकुशलता से समस्या का समाधान निकालने का प्रयास करेंगे। आपको लाभ होगा।

### सिंह
आज का दिन सफलता देने वाला होगा। आज ग्रहों के शुभ योग से आपके भाग्य में वृद्धि होगी। पुराने किसी मुकदमे में आपकी जीत हो सकती है। कोई खोई मूल्यवान वस्तु अकस्मात् मिल जाएगी। सायं से लेकर रात्रि तक सक्रिय राजनीति में बिजी रहेंगे। आपके धन में वृद्धि होगी और भाग्य साथ देगा।

### मिथुन
आज परेशानियों में बीतेगा। कारोबार में अकस्मात् लाभ मिलने से हर्ष होगा। आपको खोया हुआ विश्वास पुनः प्राप्त होगा। संतान पक्ष से भी अपेक्षित समाचार मिलेगा। आज आपके परिवार का कोई व्यक्ति आपके मन की बात को जानने का प्रयास करेगा।

### कन्या
आज का दिन मिलाजुला रहेगा। आज व्यवसाय के विस्तार के लिए पर्याप्त अवसर और अनुकूल समय आपको मिलेगा। बाहर की सुविधाएं भी आपको मिल रही हैं और आर्थिक मामलों में पैसों कमी नहीं होगी। अगर संतान के विवाह का बात चल रही है तो आज बात पक्की हो सकती है।

### तुला
आज काफी समय से जो असमंजस बना है, आज उसका अंत होगा और मायूसी भी समाप्त हो जाएगी। जिस वजह से आपके सभी कार्य अभी तक नहीं बन रहे थे आज वह रुकावट हट जाएगी और आपको किस्मत का साथ मिलेगा। ज्ञान कला और लेखन कार्य में आपकी दक्षता रंग लाएगी। शाम का वक्त आनंद में बीतेगा।

### वृश्चिक
आज भाग्य साथ दे रहा है और आज जो भी कार्य आप मेहनत से करेंगे उसमें आपको लाभ होगा। आप ऑफिस के कार्य में कोई रिस्क न लें तो आपके लिए अच्छा होगा। आप यही सोचकर आगे बढ़ें कि किसी संकट में फंस जाते हैं तो क्या कर सकते हैं। आपके धन में वृद्धि होगी।

### मकर
आज का दिन भाग्यशाली है और आज आपका मूड सुबह से ही अच्छा रहेगा। किसी बड़े लाभ के चक्कर में आप दिनभर भागदौड़ करने के लिए भी तत्पर रहेंगे। परिस्थितियां जब सुधरने लगेंगी तो आपको लाभ होगा। व्यर्थ की जद्दोजहद तथा तनाव भी समाप्त होने लगेंगे।

### कुंभ
आज आपके विरोधी भी आपका कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे। आप फालतू कामों में उलझे रहे हैं तो आपकी परेशानियां और बढ़ सकती हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारी को इसकी जानकारी अवश्य दें। आज के दिन आपका जरूरी कार्य में काफी खर्च होगा।

### धनु
आज का दिन सफलता से भरा होगा और पूरा दिन काफी व्यस्त रहेंगे। कई प्रकार के विवाद और झंझट आपके सामने आ सकते हैं। शात तक आप अपना कुछ समय लगाकर अपने कार्य कौशल से अपनी मुसीबतें कम कर सकते हैं। रात का समय किसी सामाजिक कार्यक्रम में बीतेगा। आपके धन में वृद्धि होगी।

### मीन
आज परीक्षा को पास करने में सफलता मिलेगी। जिस तरीके से आप अपनी रणनीति को लागू कर रहे हैं, उसमें आपके लिए सफलता के योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति में भी धीरे-धीरे सुधार होगा। रात में किसी की सेहत को लेकर आपको भागदौड़ करनी पड़ सकती है। भाग्य आपका साथ देगा।

## वेदों में वर्णित है मां की महिमा

वेदों में 'मां' को 'अंबा', 'अम्बिका', 'दुर्गा', 'देवी', 'सरस्वती', 'शक्ति','ज्योति','पृथ्वी' आदि नामों से संबोधित किया गया है। इसके अलावा 'मां' को 'माता', 'मात', 'मातृ', 'अम्मा', 'अम्मी', 'जननी', 'जन्मदात्री', 'जीवनदायिनी', 'जनयत्री', 'धात्री', 'प्रसू' आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है। रामायण में श्रीराम अपने श्रीमुख से 'मां' को स्वर्ग से भी बढ़कर मानते हैं। वे कहते हैं-

*'जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गदपि गरीयसी।'*

अर्थात, जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से भी बढ़कर है।

महाभारत में जब यक्ष धर्मराज युधिष्ठर से सवाल करते हैं कि 'भूमि से भारी कौन' तब युधिष्ठर जवाब देते हैं-

*'माता गुरुतरा भूमेरू।'*

अर्थात, माता इस भूमि से कहीं अधिक भारी होती हैं।

इसके साथ ही महाभारत महाकाव्य के रचियता महर्षि वेदव्यास ने 'मां' के बारे में लिखा है-

*'नास्ति मातृसमा छाया,*
*नास्ति मातृसमा गतिः।*
*नास्ति मातृसमं त्राण,*
*नास्ति मातृसमा प्रिया।।'*

अर्थात, माता के समान कोई छाया नहीं है, माता के समान कोई सहारा नहीं है। माता के समान कोई रक्षक नहीं है और माता के समान कोई प्रिय चीज नहीं है तैतरीय उपनिषद में 'मां' के बारे में इस प्रकार उल्लेख मिलता है-

*'मातृ देवो भवः।'*

अर्थात, माता देवताओं से भी बढ़कर होती है।

'शतपथ ब्राह्मण' की सूक्ति कुछ इस प्रकार है-

*'अथ शिक्षा प्रवक्ष्यामः*
*मातृमान पितृमानाचार्यवान पुरूषो वेदः।'*

अर्थात, जब तीन उत्तम शिक्षक अर्थात एक माता, दूसरा पिता और तीसरा आचार्य हो तो तभी मनुष्य ज्ञानवान होगा।

'मां' के गुणों का उल्लेख करते हुए आगे कहा गया है-

*'प्रशस्ता धार्मिकी विदुषी माता*
*विद्यते यस्य स मातृमान।'*

अर्थात, धन्य वह माता है जो गर्भावान से लेकर, जब तक पूरी विद्या न हो, तब तक सुशीलता का उपदेश करे।

हितोपदेश-

*आपदामापन्तीनां हितोप्यायाति हेतुताम ।*
*मातृजङ्घा हि वत्सस्य स्तम्भीभवति बन्धने?*

जब विपत्तियां आने को होती हैं, तो हितकारी भी उनमें कारण बन जाता है। बछड़े को बांधने में मां की जांघ ही खम्भे का काम करती है।

स्कन्द पुराण-

*नास्ति मातृसमा छाया*
*नास्ति मातृसमा गतिः।*
*नास्ति मातृसमं त्राण,*
*नास्ति मातृसमा प्रिया।।'*

माता के समान कोई छाया नहीं, कोई आश्रय नहीं, कोई सुरक्षा नहीं। माता के समान इस दुनिया में कोई जीवनदाता नहीं।

# हर इंसान की जिंदगी में खास होती है मां

**ईश्वर ने दुनिया बनाई। जब उसे लगा कि वह अकेले इसकी देखभाल नहीं कर सकता तो उसने मां की रचना की।**

एक एहसास है मां। प्यार भरी लोरी है, जिसे सुनते ही बच्चे को नींद आ जाती है, वह आंख है, जो बच्चे के लिए रात-रात भर जागती है। तावीज बनकर बुरी नजर से बचाती है तो गर्म दुपहरी में छांह बन जाती है। मां सुबह की नर्म-मुलायम धूप है, जो तन-मन में ऊर्जा जगा देती है, हवा है- छू कर गुजरे तो दिल को सुकून मिल जाता है, वह आंचल है, जिसमें छुप कर हम दुनिया की हर तकलीफ को भुला देते हैं, वह गोद है जो हमारी ख्वाबगाह बन जाती है। मां कोई जादूगर है, जो हमारे मन की हर बात समझ जाती है, जिसे हमारा चेहरा देखते ही समझ आ जाता है कि हमें क्या चाहिए। मां वह आईना है, जिसमें हम खुद को देखते हैं और खुदा को महसूस करते हैं..।

### हर मोड पर है नई चुनौती

..लेकिन क्या मां की जिंदगी किसी कविता जैसी सहज और आसान है? बच्चे को कोख में धारण करने, जन्म देने, परवरिश, करियर और शादी से लेकर उनके बच्चों के जन्म तक मां एक ही जीवन में कई जीवन जीती है। हर जीवन नई चुनौतियां लेकर आता है। मां की पूरी जिंदगी एक रोलर-कोस्टर की तरह है।

पिछले कुछ वर्षो में तो मां की भूमिका और भी चुनौतीपूर्ण हो गई है। राशन-बिलों की लंबी लाइनों में खडी, सब्जी वाले से मोलभाव करती, ग्रॉसरी स्टोर में स्कीम्स पर नजर दौडाती, काम वाली बाई को हिदायतें देती और फिर घडी की सुइयों से भी तेज भागते हुए दफ्तर पहुंचती इस मां का जीवन बहुत बदल चुका है। वह टीनएज बच्चों की सुरक्षा के लिए फिक्रमंद रहती है और उन पर नजर रखने की हरसंभव कोशिशें करती है। फेसबुक पर अनफ्रेंड कर दिए जाने के बावजूद बच्चों के अकाउंट एक्सेस कर लेने को अपनी जीत मान लेती है। वह ई-मेल और वेबकैम से दूर बसे बेटा-बेटी का हालचाल लेती है तो एसएमएस के जरिये डाइट और दिनचर्या के बारे में सख्त हिदायतें देना भी नहीं भूलती..। मां आत्मनिर्भर है, आत्मविश्वास से भरपूर है, बच्चों की दोस्त है..। मगर बच्चे की आंख में आंसू नहीं देख पाती। मां के इस सफर में हजारों मुश्किलें हैं। पालक, संरक्षक, सलाहकार, नर्स, शिक्षक जैसी हर भूमिका मां एक साथ निभाती है। सच यह है कि मां भी बच्चों के साथ धीरे-धीरे बडी होती है, परिपक्व होती है। मां की इस यात्रा में कई मोड आते हैं।

### जन्म लेती मां

बच्चे के जन्म से पहले ही मातृत्व का अनोखा सफर शुरू हो जाता है। शिशु मां पर निर्भर होता है। उसके साथ सोना-उठना, हर पल उसे अपनी मौजूदगी का एहसास कराना, उसकी हर पीडा को बिना कहे समझ जाना..। फैशनेबल कपडे, दोस्त, पार्टीज, लेट नाइट मूवीज, शॉपिंग, सामाजिक आयोजन.., मां कुछ साल दुनियादारी से पूरी तरह कट कर सिर्फ बच्चे की होकर रह जाती है। बच्चा फुलटाइम जॉब है-मां होलटाइमर। अब उसके पर्स में मेकअप का सामान और एक्सेसरीज नहीं, बल्कि दूध की बॉटल, डाइपर्स, कैंडीज मिलती हैं।

### उलझनें नई मां की

प्रसव के दौरान मां का तनाव और दबाव बढता है। एक शोध के मुताबिक लगभग 13 फीसदी स्त्रियां प्रसव के बाद डिप्रेशन से जूझती हैं। क्लिनिकल भाषा में इसे पोस्टपार्टम डिप्रेशन कहा जाता है। यह अस्थायी होता है, लेकिन समय रहते ध्यान न दिया जाए तो इससे स्त्री में नकारात्मक दृष्टिकोण व असुरक्षा-भय पैदा होने लगता है जो साइको सोमेटिक डिसॉर्डर के रूप में दिखता है। इस दौरान खुशी देने वाले हॉर्मोस जैसे सेरोटोनिन का स्तर घटता है। यह ब्रेन से रिलीज होने वाला हॉर्मोन है, जो मूड अच्छा करता है। बढती जिम्मेदारियां, शारीरिक परिवर्तन, समय का अभाव और भूमिकाओं का द्वंद्व भी डिप्रेशन का कारण बनता है।

### बडी होती मां

मां सबसे ज्यादा खुद को अपडेट कब करती है? इसका जवाब है- जब बच्चे टीनएज में आते हैं। बच्चों की टीनएज दरअसल मातृत्व की भी टीनएज है। अब मां को गाइड के साथ ही दोस्त की भूमिका भी निभानी पडती है। मां की पदोन्नति होती है, लेकिन जिम्मेदारियां भी बढती हैं। उसे समझना पडता है कि कैसे कठोर अनुशासन और लचीलेपन के साथ बीच की राह खोजे।

### पेरेंटिंग का द्वंद्व

इस मोड पर दिल न तो बच्चों की बातों को सही ठहरा पाता है, न पूरी तरह उन्हें खारिज कर पाता है। मां यह अपेक्षा तो रखती है कि बच्चा जिम्मेदार बने, लेकिन यह नहीं समझ पाती कि उसे कितनी आजादी दे। अभी तुम बच्चे हो और तुम बडे हो गए हो के बीच का द्वंद्व मातृत्व की टीनएज को बहुत परेशान करता है। दूसरी ओर टीनएजर्स की बदलती दुनिया भी हैरान करती है।

### परिपक्व होती मां

बच्चों के साथ ही मां भी परिपक्व होती है। उसमें स्थायित्व आता है। मातृत्व अब उसे इतना हैरान-परेशान नहीं करता। मां के सफर का यह ऐसा पडाव है, जहां वह पूरी तरह निश्चिंत न सही, मगर थोडा सुकून से बैठ सकती है। यहां पहुंच कर जीवन में ठहराव आता है, मगर युवा बच्चों की दुनिया में कई बार वह थोडा असहज भी महसूस करने लगती है। यह स्थिति खासतौर पर तब आती है जब बच्चे उच्च शिक्षा या करियर के लिए दूर चले जाएं या उनकी शादी हो जाए।

### बचपन में लौटती मां

मातृत्व की राह का यह चौथा पडाव बेहद खूबसूरत होता है। यहां आकर एक बार फिर बचपन को जीने लगती है मां। नानी-दादी बनने का यह नया एहसास कुछ अलग सा होता है। तुम्हारी मां भी ऐसी ही थी बचपन में.., तुम्हारे पापा भी इतने जिद्दी थे.., इतिहास एक बार फिर खुद को दोहराता नजर आता है। नाती-पोतों-पोतियों के साथ खेलती-खाती, हंसती-गुनगुनाती है मां..।

### खुश रहें-संतुष्ट रहें

शरीर की सीमाएं हैं, लेकिन मन की कोई सीमा नहीं। शरीर चुकने लगे तो मन को जवां बनाएं। अपनों का साथ हो तो उम्र का यह दौर बहुत संबल देता है। इस दौर में अगर दो पीढियां तीसरी पीढी को अपने-अपने समय के सर्वोत्तम मूल्य दे सकें तो बहुत अच्छा हो।

नानी-दादी प्रेरणादायक कहानियां सुना सकती हैं, मूल्यों व परंपराओं के बारे में बता सकती हैं। थोडी सी समझदारी से मातृत्व का यह चौथा पडाव खूबसूरत बन सकता है, बस जरूरत है दृष्टिकोण बदलने की। अपनी आंखों में नई दुनिया बसाएं और मां के इस सफरनामे में खुशनुमा अध्याय जोडें।

# मां, तुम सबसे अच्छी हो

मां, इस एक शब्द को सुनने के लिए नारी अपने समस्त अस्तित्व को दांव पर लगाने को तैयार हो जाती है। नारी अपनी संतान को एक बार जन्म देती है। लेकिन सच तो यह है कि बच्चे के बड़े होने तक अलग-अलग रूपों में खुद उसका पुनर्जन्म होता है। यानी एक शिशु के जन्म के साथ ही स्त्री के कई खूबसूरत रूपों में लगातार अभिव्यक्त होती है। पल- पल उसके दिल के सागर में ममता की मार्मिक लहरें आलोड़ित होती है। अपने हर ज्वार के साथ उसका रोम-रोम अपनी संतान पर न्योछावर होने को बेकल हो उठता है। नारी अपने कोरे कुंवारे रूप में जितनी सलोनी होती है उतनी ही सुहानी वह विवाहिता होकर लगती है लेकिन उसका नारीत्व संपूर्णता पाता है मां बन कर। संपूर्णता के इस पवित्र भाव को जीते हुए वह एक दिव्य अलौकिक प्रकाश से भर उठती है। उसका चेहरा अपार कष्ट के बावजूद हर्ष से चमकने लगता है जब एक नर्म गुदगुदाता जीव उसके कलेजे से आ लगता है। उसका अपना प्राकृतिक सृजन जब उसे देखकर चहकता है तो उसकी आंखों में खुशियों के हजारों दीप झिलमिलाने लगते हैं। लाज और लावण्य से दीपदिपाते-पुलकित इस भाव को किसी भाषा, किसी शब्द और किसी व्याख्या की आवश्यकता नहीं होती। मां शब्द की पवित्रता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि हिन्दू धर्म में देवियों को मां कहकर पुकारते है। बेटी या बहन के संबोधनों से नहीं। मदर मैरी और बीवी फातिमा का ईसाई और मुस्लिम धर्म में विशिष्ट स्थान है। माँ के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए एक दिवस नहीं एक सदी भी कम है। किसी ने कहा है ना कि सारे सागर की स्याही बना ली जाए और सारी धरती को कागज मान कर लिखा जाए तब भी मां की महिमा नहीं लिखी जा सकती। इसीलिए हर बच्चा कहता है मेरी मां सबसे अच्छी है। जबकि मां, इसकी- उसकी नहीं हर किसी की अच्छी ही होती है, क्योंकि वह मां होती है। मातृ दिवस पर हर मां को उसके अनूठे अनमोल मातृ-बोध की बधाई।

## मां के लिए बस एक दिन?

बड़ी अनुपम (सुखमय) अनुभूति होती है, जब हम अपनी मां को महत्व देते हैं। लेकिन क्या मां को याद करने के लिए सिर्फ 'एक ही दिन' पर्याप्त है? मां की ममता तो असीमित है, तो उनके लिए हमारा आदर क्यों सिर्फ एक ही दिन के लिए सीमित रहे? हम चाहे तो हर दिन को अपनी मां के लिए महत्वपूर्ण बना सकते हैं। वह तो हमारे जीवन की हर राह पर साथ है।

मां की ममता को याद कर, उनके दिए साथ को कभी न भुलाकर हम उन्हें खास दिन पर खास बना सकते हैं। उन्हें यह अहसास दिलाकर कि- 'मां, जिस तरह आपने मेरे जीवन की हर राह पर मेरा साथ दिया, मैं भी उसी तरह हर कदम पर आपके साथ खड़ी हूं। जब मेरे कदम लड़खड़ाए थे, तब मां सिर्फ आपने ही मुझे सहारा दिया। जब मेरी आंखों से आंसू गिरे, आपके आंचल ने ही उन आंसुओं को पोंछा। लेकिन अब सिर्फ मेरी बारी है तुम्हें सहारा देने की, तो मैं क्यों पीछे हटूं? जब आपके कदम लड़खड़ाएंगे, तो मैं भी हर कदम पर आपके साथ हूं।' हमारे समाज में हर बात को महत्व देने के लिए 365 दिनों में से सिर्फ 'एक दिन' तय कर दिया गया है, पर मां को महत्व देने के लिए सिर्फ एक दिन काफी नहीं है। जिस तरह मां की ममता और प्रेम 'असीमित और निःस्वार्थ' है, उसी तरह मां के लिए हर दिन एक महत्व लिए होना चाहिए और सिर्फ दिन ही क्यों बल्कि हर क्षण वह हमारे लिए महत्वपूर्ण होनी चाहिए।

अगर हम भी बिना किसी स्वार्थ के उन्हें आदर देकर, मां की ममता को भूले बिना और उनका हर सुख-दुःख में साथ दें तो अपना जीवन सार्थक बना सकते हैं। क्यों न हम सिर्फ 'एक ही दिन' को मां के लिए महत्वपूर्ण न बनाकर 'हर क्षण' को सदियों तक मां के लिए महत्वपूर्ण बनाएं। उसे हर क्षण यह अहसास दिलाएं कि वे हमारे जीवन में एक 'सम्माननीय पद' पर आसीन हैं ताकि हर दिन एक ममता दिवस के रूप में यादगार बन जाए।

# 90 के दशक के हर बच्चे की यादों में आज भी कैद होंगे मां के साथ बचपन में बिताए ये खूबसूरत पल

**अगर आप भी 90 के दशक में पैदा हुए हैं, तो यकीन मानिए यह आर्टिकल आपको यादों के गलियारों में ले जाएगा। मां के साथ, बचपन में बिताए ये खूबसूरत पल, आपको इमोशनल कर देंगे।**

बचपन में स्कूल से घर लौटकर, सबसे पहले हम मां को ही ढूंढते थे। वैसे, मेरी आदत में तो आज भी कोई खास बदलाव नहीं आया है। ऑफिस से घर आकर, सबसे पहले, मैं मां को ही आवाज लगाती हूं। बेशक, हम 90 के दशक में पैदा हुए बच्चे, अब बड़े हो चुके हैं और बचपन बस हमारी यादों में रह गया है। लेकिन, सच बताउं जब मैं मां के पास आती हूं, तो लगता है उनके लिए, आज भी मैं बचपन वाली गुड़िया ही हूं। खैर, वक्त के लिहाज से तो हम बचपन से काफी आगे निकल गए हैं और मां के साथ भी अब हमारा रिश्ता और ज्यादा गहरा और प्यारा हो गया है। क्योंकि, अब हम और ज्यादा अच्छे से मां के प्यार को समझने लगे हैं। आज के बच्चों के लिए, मां और उनका रिश्ता, बेशक थोड़ा ज्यादा मॉर्डन और डिफरेंट है, लेकिन हम 90 के किड्स के लिए ये थोड़ा अलग है। मदर्स डे बस आने ही वाला है। तो, चलिए, इस खास मौके पर, मेरा हाथ थामकर जरा यादों के फ्लैक बैक टाउन का एक चक्कर लगाइए। अगर आप भी मेरी तरह 90 के दशक में पैदा हुए हैं, तो यकीन मानिए यह आर्टिकल आपको यादों के गलियारों में ले जाएंगे। मां का साथ, बचपन में बिताए ये खूबसूरत पल, आपको इमोशनल कर देंगे।

### स्कूल से आकर मां को सब कुछ बताना

स्कूल मे क्लास टीचर ने क्या कहा..किसी टीचर ने शाबासी दी या नहीं...गेम्स पीरियड में क्या हुआ...लंच किस-किसके साथ खाया और ब्रेस्ट फ्रेंड स्कूल आई थी या नहीं, क्या आप भी मेरी तरह, स्कूल से घर आकर, अपनी मां को ये सारी बातें बताया करते थे? वैसे, हम 90s किड्स के लिए आज भी कुछ खास बदला नहीं है। स्कूल की जगह, अब ऑफिस हो गया है, लेकिन मां से गॉसिप शेयर करना तो परमानेंट है।

### किचेन में बैठकर मां के साथ छोटी-छोटी बातें करना

किचेन में मम्मी के आगे-पीछे घूमते हुए, अपने फेवरेट खाने के बनने का इंतजार करना और दुनिया-जहां की सारी बातें कह देना, ये तो बचपन में हमारा फेवरेट पास टाइम हुआ करता था। आजकल के बच्चों के पास, मोबाइल फोन से लेकर न जाने क्या-क्या चीजें हैं, जिनमें वो उलझे रहते हैं। लेकिन, 90 के दशक में ये चीजें ज्यादा नहीं थीं और इसलिए, आज हमारे पास यादें ज्यादा हैं।

### सुबह स्कूल जाने के लिए मां का प्यार से उठाना

सुबह सिर पर हाथ फेरते हुए, मां का स्कूल जाने के लिए उठाना भी हर किसी को याद होगा। हम में कुछ बच्चे उस वक्त, स्कूल जाने में ना-नुकुर करते थे, तो कुछ सुबह की नींद को बिल्कुल नहीं छोड़ना चाहते थे। लेकिन, मां कभी दुलार से तो कभी डांटकर, हमें रोज तय समय पर स्कूल भेजती ही थीं।

### मां के हाथ का चीनी वाला पराठा

अरे...आज के ये पिज्जा, बर्गर, नूडल्स, मोमोज या फिर और कुछ भी...उतना टेस्टी नहीं हो सकता है, जितना टेस्टी, मेरी मां चीनी का पराठा बनाया करती हैं। 90 के उस वक्त में, फैंसी फूड आइटम्स का इतना चलन भी नहीं था और ऐसे में मां के हाथ का चीनी वाला पराठा, पेट ही नहीं, मन भी खुश कर देता था।

### मां का दोपहर में सुलाना

दोपहर के वक्त जब हम स्कूल से आकर खाना खा लेते थे... मां हमें बाहर तेज धूप में खेलने जाने से रोका करती थीं और फिर बड़े प्यार से अपने पास सुला लिया करती थीं। मतलब नींद तो थक-हारकर आज भी आती है। लेकिन, उस दोपहर वाली नींद की बात की कुछ और थी।

## रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में गुकेश ने कार्लसन से ड्रॉ खेला

### प्रगनानंदा संयुक्त तीसरे स्थान पर

**वारसॉ, एजेंसी।** प्रगनानंदा ने पांचवें दौर में हालैंड के अनीष गिरी को पराजित किया और फिर छठे दौर में केमर पर जीत हासिल की। नार्वे के कार्लसन ने आठ अंक लेकर चीन के वेई यि के साथ संयुक्त बढ़त बनाई हुई है. विश्व चैंपियनशिप चैलेंजर डी गुकेश ने धीमी शुरुआत के बाद वापसी करते हुए शुक्रवार को यहां सुपरबेट रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट के छठे दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन से ड्रॉ खेलने से पहले हमवतन आर प्रगनानंदा और जर्मनी के विन्सेंट केमर को शिकस्त दी।

प्रगनानंदा ने पांचवें दौर में हालैंड के अनीष गिरी को पराजित किया और फिर छठे दौर में केमर पर जीत हासिल की। नार्वे के कार्लसन ने आठ अंक लेकर चीन के वेई यि के साथ संयुक्त बढ़त बनाई हुई है, जबकि प्रगनानंदा और शेवचेंको 7–7 अंक लेकर संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर बने हुए हैं। उज्बेकिस्तान के नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव, गुकेश और अर्जुन एरिगेसी 6–6 अंक लेकर संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। ये सभी स्थानीय स्टार डुडा जान क्रिस्तोफ से पूरे एक अंक आगे हैं।

## आयरलैंड ने पहली बार पाकिस्तान को हराया

- **पहला टी-20 5 विकेट से जीता; सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाई**

**डबलिन, एजेंसी।** डबलिन में शनिवार को खेले गए मैच में आयरलैंड ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग का फैसला किया। पाकिस्तान के लिए सबसे ज्यादा रन कप्तान बाबर आजम ने बनाए। पाकिस्तान के कप्तान ने 39 गेंदों पर अपना 35वां टी–20 अर्धशतक लगाया। बाबर 15वें ओवर में 43 गेंद पर 57 रन बनाकर आउट हुए। सईम आयूब ने 29 गेंदों पर 45 रनों का योगदान दिया। आयरलैंड की ओर से क्रेग यंग ने 2 विकेट लिए। गैरेथ डेलानी और मार्क अडायर को 1–1 विकेट मिला। बाबर आजम ने 43 गेंद पर 57 रन की पारी खेली।

आयरलैंड एक बॉल शेष रहते जीता

आयरलैंड की शुरुआत भी खराब रही। पॉल स्टर्लिंग 8 और फिर लोर्कन टकर 4 रन बनाकर आउट हो गए। 27 रनों पर दो विकेट गिरने के बाद एंड्रयू बलबिरनी और हैरी टेकर ने पारी को संभाला। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 77 रनों की साझेदारी हुई। बलबिरनी ने 55 गेंद पर 77 रनों की पारी खेली। उनके अलावा हैरी टेकर 27 गेंद पर 36 रन बनाकर आउट हुए। पाकिस्तान की ओर से अब्बास अफरीदी 2 विकेट झटके। शाहीन शाह अफरीदी, नसीम शाह और इमाद वसीम को 1–1 विकेट मिला। आखिरी ओवर में आयरलैंड को 11 रन चाहिए थे।

### पहलवान निशा दहिया का शानदार प्रदर्शन

# भारत को दिलाया पांचवां ओलंपिक कोटा

**इस्तांबुल, एजेंसी।** भारत की चार महिला पहलवानों ने पहले ही ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया था जिसमें अंतिम पंघाल (53 किग्रा), विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) शामिल हैं।

भारतीय महिला पहलवान निशा दहिया ने शुक्रवार को विश्व ओलंपिक खेल क्वालीफायर के दौरान देश को पेरिस ओलंपिक का कोटा दिलाया। निशा पांचवीं भारतीय महिला पहलवान हैं जिन्होंने इस साल जुलाई-अगस्त में होने वाले पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल किया है। निशा 68 किग्रा वर्ग के फाइनल में पहुंच गई हैं। निशा ने सेमीफाइनल में रोमानिया की 58वीं रैंकिंग की एलेक्सांद्रा अनघेल को 8-4 से हराया।

### निशा ने किया था शानदार प्रदर्शन

सभी छह ग्रीको रोमन पहलवानों के निराशाजनक प्रदर्शन के एक दिन बाद महिला पहलवान निशा दहिया ने पांचवां पेरिस कोटा दिलाने की उम्मीदें जीवंत रखी थी। निशा ने बेलारूस की युवा अलिना शाउचुक को 3-0 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। फिर इस 25 साल की पहलवान ने चेक गणराज्य की कई यूरोपीय चैंपियनशिप पदक विजेता एडेला हानजलिकोवा को 7-4 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

### मानसी को मिली हार

मानसी (62 किग्रा) प्री क्वार्टर फाइनल में बेलारूस की प्रतिद्वंद्वी वेरानिका इवानोवा से हार गईं। हालांकि वह रेपचेज से कांस्य पदक के दौर में जगह बना सकती हैं और ओलंपिक कोटा जीतने की उम्मीद कर सकती हैं लेकिन इसके लिए वेरानिका को फाइनल में पहुंचना होगा। भारत की चार महिला पहलवानों ने पहले ही ओलंपिक कोटा हासिल कर लिया है जिसमें अंतिम पंघाल (53 किग्रा), विनेश फोगाट (50 किग्रा), अंशु मलिक (57 किग्रा) और रीतिका हुड्डा (76 किग्रा) शामिल हैं।

## बृजभूषण पर आरोप तय

### साक्षी बोलीं- यह महिला पहलवानों के लिए बड़ी जीत है, बजरंग ने कही यह बात

**नई दिल्ली, एजेंसी।** टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले बजरंग ने 'एक्स' पर लिखा, बृजभूषण पर आरोप तय हो गये हैं। माननीय अदालत का धन्यवाद। उन्होंने लिखा– महिला पहलवानों के संघर्ष की बहुत बड़ी जीत है। स्टार पहलवान साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया ने शुक्रवार को पूर्व डब्ल्यूएफआई (भारतीय कुश्ती महासंघ) प्रमुख बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप तय करने के दिल्ली की अदालत के फैसले का स्वागत किया और इसे देश की महिला पहलवानों के लिए एक बड़ी जीत बताया।

दिल्ली की एक अदालत ने छह बार के सांसद सिंह के खिलाफ मामले में धारा 354 (महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने के इरादे से हमला या आपराधिक बल), 354 ए (यौन उत्पीड़न), 354 डी (पीछा करना) और भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी) के तहत आरोप तय करने का आदेश दिया। टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाले बजरंग ने 'एक्स' पर लिखा, बृजभूषण पर आरोप तय हो गये हैं। माननीय अदालत का धन्यवाद। उन्होंने लिखा– महिला पहलवानों के संघर्ष की बहुत बड़ी जीत है। देश की

बेटियों को इतने कठिन समय से गुजरना पड़ा है, पर यह फ़ैसला राहत देगा। जिन लोगों ने महिला पहलवानों को ट्रोल किया था उनको भी शर्म आनी चाहिए।

सत्यमेव जयते।

रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साक्षी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा– माननीय न्यायालय ने बृज भूषण सिंह के खिलाफ आरोप तय किए हैं। हम माननीय अदालत का धन्यवाद करते हैं। हाल ही में खेल से संन्यास लेने वाली साक्षी ने कहा– हमें कई रात गर्मी बारिश में सड़क पर सोना पड़ा, अपना अच्छा खासा करियर त्यागना पड़ा, तब जाके आज न्याय की लड़ाई में कुछ कदम आगे बढ़ पाएं हैं। उन्होंने कहा– जिन लोगों ने प्यार और आशीर्वाद दिया उनका दिल से आभार और जिन्होंने 'ट्रॉलिंग' और घटिया बातें की, भगवान उनका भी भला करे। भारत माता की जय।

### धोनी के निचले क्रम में खेलने से चेन्नई सुपर किंग्स को प्लेऑफ के पड़े लाले

# आईपीएल से बाहर होने का खतरा मंडराया?

**नईदिल्ली, एजेंसी।** महेंद्र सिंह धोनी का आईपीएल 2024 में निचले क्रम पर आकर बल्लेबाजी करना गुजरात के खिलाफ भी जारी रहा. वह 10 मई को हुए गुजरात के खिलाफ मैच में भी 8वें नंबर पर आए. खास बात यह रही है धोनी का स्ट्राइक गुजरात और चेन्नई के मैच में सभी बल्लेबाजों में सबसे ज्यादा रहा. सोशल मीडिया पर फैन्स धोनी के नीचे आकर खेलने से नाराज दिखे. वहीं इससे कहीं ना कहीं चेन्नई का प्लेऑफ समीकरण भी गड़बड़ा गया है. धोनी अगर ऊपर आते हैं तो जाहिर है कि चेन्नई का नेट–रनरेट भी बेहतर रहेगा, वह तब और कारगर होगा जब प्लेऑफ के लिए दो टीमें बराबर पॉइंट्स पर होंगी. इंडियन प्रीमियर लीग 2024 का मैच नंबर 59 चेन्नई सुपर किंग्स और गुजरात टाइटन्स के बीच 10 मई को अहमदाबाद में खेला गया. इस मैच में गुजरात टाइटन्स ने चेन्नई को अपने घरेलू मैदान नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 35 रनों से मात दी. इस मैच में भी महेंद्र सिंह धोनी आठवें नंबर पर खेलने आए और ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की. धोनी का स्ट्राइक रेट इस दौरान 236.36 का रहा, जो इस मैच के शतकवीर शुभमन गिल और साई सुदर्शन से भी शानदार रहा. साई ने मैच में 201.96 तो गिल ने 189.09 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए. धोनी के निचले क्रम पर खेलने को लेकर इस पूरे आईपीएल में कई बार सवाल उठ चुके हैं. यहां तक थाला के साथी रह चुके हरभजन सिंह और इरफान पठान भी उन पर बरस चुके हैं. बहरहाल, धोनी 10 मई को हुए मैच में भी उस समय खेलने उतरे जहां से लगभग चेन्नई के लिए मैच खत्म हो चुका था. धोनी जब आए तब मैच में केवल 20 गेंदें बाकी थी और उनकी टीम को जीत के लिए 67 रन चाहिए थे.

## गिल-सुदर्शन की चली आंधी... गुजरात ने CSK से लिया पिछली हार का बदला, प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

**नईदिल्ली, एजेंसी।** इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के मैच नंबर–59 में गुजरात टाइटन्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 35 रनों से हरा दिया. 10 मई (शुक्रवार) को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए इस मैच में गुजरात ने सीएसके को जीत के लिए 232 रनों का टारगेट दिया था, जिसका पीछा करते हुए वह आठ विकेट पर 196 रन ही बना सकी. गुजरात टाइटन्स की मौजूदा सीजन में यह 12 मैचों में पांचवीं जीत रही और उसकी प्लेऑफ में जाने की उम्मीदें अब भी कायम हैं.

दूसरी ओर पांच बार की चैम्पियन सीएसके की यह 12 मैचों में छठी हार रही. चेन्नई के लिए इस मैच में डेरिल मिचेल ने सबसे ज्यादा 34 गेंदों पर 63 रन बनाए, जिसमें सात चौके और तीन छक्के शामिल रहे. मोईन अली ने 56 रनों की पारी खेली. मोईन ने 36 गेंदों की पारी में चार चौके और इतने ही छक्के लगाए. वहीं एमएस धोनी ने 11 गेंदों पर नाबाद 26 रन बनाए, जिसमें तीन छक्के के अलावा एक चौका शामिल रहा. गुजरात टाइटन्स की ओर से मोहित शर्मा ने सबसे ज्यादा तीन विकेट लिए. वहीं राशिद खान को दो सफलताएं हासिल हुईं.

# व्यापार

## महीने में 65 प्रतिशत चढ़ गया यह मल्टीबैगर, कंपनी को हुआ है 546 करोड़ रुपये का मुनाफा

**नई दिल्ली, एजेंसी।** वायर और केबल्स बनाने वाली कंपनी पॉलीकैब इंडिया के शेयरों में शुक्रवार को जोरदार तेजी आई है। पॉलीकैब इंडिया के शेयर शुक्रवार को 9 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 6364 रुपये पर पहुंच गए हैं। पॉलीकैब इंडिया के शेयर इस साल जनवरी के 3801 रुपये के लो लेवल से 6364 रुपये के नए ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गए हैं। कंपनी के शेयर शुक्रवार को कारोबार के आखिर में बीएसई में 6153.60 रुपये पर बंद हुए हैं। आईटी रेड की खबर के बीच इस साल जनवरी में कंपनी के शेयरों में तेज गिरावट आई थी।

इनकम टैक्स रेड की खबरों के बीच इस साल जनवरी में पॉलीकैब इंडिया के शेयरों में करीब 21 पर्सेंट की गिरावट देखने को मिली थी। हालांकि, इसके बाद से कंपनी के शेयरों ने जबरदस्त रिकवरी की है। पिछले एक साल में पॉलीकैब इंडिया के शेयरों में 90 पर्सेंट से अधिक का उछाल देखने को मिला है। वहीं, पिछले 5 साल में वायर बनाने वाली कंपनी के शेयर 940 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 17 मई 2019 को 595.70 रुपये पर थे। पॉलीकैब इंडिया के शेयर 10 मई 2024 को 6153.60 रुपये पर बंद हुए हैं।

पॉलीकैब इंडिया को मार्च 2024 तिमाही में 546 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड नेट प्रॉफिट हुआ है। एक साल पहले की समान अवधि में पॉलीकैब को 425 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। जनवरी-मार्च 2024 तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू सालाना आधार पर 29 पर्सेंट बढ़कर 5592 करोड़ रुपये रहा है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 4324 करोड़ रुपये था। कंपनी की ऑपरेटिंग प्रॉफिटैबिलिटी 10 पर्सेंट बढ़कर 762 करोड़ रुपये रही है।

### 7.60 का डिविडेंड, 4886 करोड़ प्रॉफिट

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) का पिछले वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 2.3 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 4,886 करोड़ रुपये हो गया। बीओबी ने जनवरी-मार्च, 2024 के इस तिमाही नतीजे की शेयर बाजार को सूचना दी। एक साल पहले की समान तिमाही में बैंक ने 4,775 करोड़ रुपये का प्रॉफिट अर्जित किया था। इस अवधि में बैंक की कुल आय बढ़कर 33,775 करोड़ रुपये हो गई जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 29,323 करोड़ रुपये थी।

## दूरसंचार विभाग: 28,200 मोबाइलों को ब्लॉक करने का निर्देश, कंपनियों से कहा- 20 लाख फोन कनेक्शनों की जांच करें

**नई दिल्ली, एजेंसी।** एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि संयुक्त प्रयास का मकसद ठगों के नेटवर्क को ध्वस्त करना और नागरिकों को डिजिटल खतरों से बचाना है। इसमें कहा गया है कि गृह मंत्रालय और राज्य पुलिस के विश्लेषण से पता चला है कि साइबर अपराधों में 28,200 मोबाइल 'हैंडसेट' का दुरुपयोग किया गया। इन मोबाइल फोन के साथ करीब 20 लाख नंबरों का इस्तेमाल किया गया। दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को देशभर में इन 28,200 मोबाइल फोन को ब्लॉक करने तथा इनसे जुड़े 20 लाख मोबाइल कनेक्शन का तत्काल दोबारा सत्यापन करने और सत्यापन में नाकाम रहने पर कनेक्शन काटने के निर्देश दिए। विभाग ने दूरसंचार धोखाधड़ी से संबंधित शिकायतों के निपटारे के लिए दो महीने पहले 'चक्षु' प्लेटफार्म पेश किया था। इस पोर्टल के लॉन्च होने के बाद से संदिग्ध एसएमएस भेजने में लिप्त 52 संस्थाओं को काली सूची में डाला जा चुका है जबकि देशभर में 348 मोबाइल हैंडसेट को ब्लॉक किया गया और 10,834 संदिग्ध मोबाइल नंबरों को दोबारा सत्यापन के लिए चिह्नित किया गया। इसके अलावा, दूरसंचार विभाग ने साइबर अपराधों और वित्तीय धोखाधड़ी या नकली या जाली दस्तावेज पर लिए गए मोबाइल कनेक्शन में शामिल होने के कारण 1.58 लाख यूनिक मोबाइल डिवाइस पहचान संख्या आईएमईआई को ब्लॉक किया है।

## भारत में स्विट्ज़रलैंड से आता है सबसे ज्यादा सोना

**नई दिल्ली, एजेंसी।** चीन के बाद भारत दुनिया में सोने का दूसरा बड़ा उपभोक्ता है। यह आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरा करता है। मजबूत घरेलू मांग रहने से देश में सोने का आयात वित्त वर्ष 2023-24 में 30 फीसदी बढ़कर 45.54 अरब डॉलर हो गया है। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिलती है। वित्त वर्ष 2022-23 में सोने का आयात 35 अरब डॉलर का रहा था। सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव का रुपये की विनिमय दर पर सीधा असर पड़ता है। कुछ विशेषज्ञों का मानना है कि सोने का आयात महंगाई को बढ़ाता है। सोने के आयात का अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह का प्रभाव पड़ सकता है।

### भारत में कहां से आता है सबसे ज्यादा सोना

वाणिज्य मंत्रालय की तरफ से जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल मार्च में कीमती धातु का आयात 53.56 फीसदी

घटकर 1.53 अरब डॉलर रह गया। स्विट्ज़रलैंड सोने के आयात का सबसे बड़ा स्रोत है। इसकी हिस्सेदारी लगभग 40 फीसदी की है। इसके बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की आयात में हिस्सेदारी 16 फीसदी और दक्षिण अफ्रीका की लगभग 10 फीसदी है।

देश के कुल आयात में सोने की हिस्सेदारी पांच फीसदी से अधिक रही है। फिलहाल सोने पर 15 फीसदी आयात शुल्क लगता है। सोने का आयात बढ़ने के बावजूद देश का व्यापार घाटा (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) पिछले वित्त वर्ष में घटकर 240.18 अरब डॉलर रह गया। जबकि 2022-23 में यह व्यापार घाटा 265 अरब डॉलर था।

पिछले कुछ समय में सोने की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं। ये 73,000 रुपये प्रति दस ग्राम के ऊपर पहुंच गई हैं। अमेरिका में बेरोजगारी दावों के ताजा आंकड़ों से श्रम बाजार में सुस्ती के संकेत मिलने के बाद सोने में तेजी आई है। इससे यह विश्वास बढ़ा कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व इस वर्ष ब्याज दर में कटौती शुरू कर सकता है।

## अब पैन-आधार वेरिफाई करेगा पोस्ट ऑफिस, गड़बड़ी मिली तो नहीं कर पाएंगे निवेश

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पिछले साल 1 अप्रैल से पोस्टऑफिस की स्कीम में निवेश करने के लिए पैन और आधार का डिटेल देना अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसे में पोस्ट ऑफिस आपके परमानेंट अकाउंट नंबर की वैलिडिटी को इनकम टैक्स डिपार्टमेंट के साथ क्रॉस-चेक करके वेरिफाई करेगा। इसका मकसद ये सुनिश्चित करना है कि आपका पैन आपके आधार कार्ड से जुड़ा हुआ है। इसके साथ ही आपने पोस्टऑफिस की स्कीम के लिए जो नाम और जन्मतिथि की जानकारी दी है, वह सही है या नहीं। इनमें कोई गड़बड़ी मिलती है तो आप इन स्कीम में निवेश नहीं कर पाएंगे। पैन वैरिफिकेशन सिस्टम प्रोटीन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजीज (पूर्व में एनएसडीएल) सिस्टम के साथ जुड़ा हुआ है। इस सिस्टम से मिले रिस्पॉन्स के आधार पर पैन को फिनेकल में मान्य किया जाता है। यह व्यवस्था 30 अप्रैल, 2024 तक लागू थी। पीपीएफ, एनएससी और अन्य छोटी बचत योजनाओं में निवेश करने के लिए पैन, आधार अनिवार्य है। 7 मई को जारी डाक विभाग की एक अधिसूचना में कहा गया है कि पैन वैरिफिकेशन से संबंधित प्रोटीन सिस्टम को 1 मई, 2024 को संशोधित किया गया है।

अगर आपने अभी तक भी अपना पैन

कार्ड आधार से लिंक नहीं कराया है, तो इसे फटाफट करा लें। ऐसे लोग जो 30 जून, 2023 की समयसीमा तक पैन-आधार लिंक नहीं करा सके हैं उन पर पेनल्टी लगाने की समयसीमा में आयकर विभाग ने ढील दी है। आयकर विभाग के मुताबिक, 31 मई तक आधार के साथ पैन को लिंक करा लेने पर टीडीएस की कम कटौती के लिए कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। आयकर नियमों के अनुसार करदाता को अपने पैन को अपने आधार नंबर के साथ लिंक करना होता है। अगर ये दोनों लिंक नहीं होते तो लागू दर से दोगुनी दर पर टीडीएस काटा जाना जरूरी है।

### होंगे ये नुकसान

आपका पैन आधार से लिंक नहीं है तो आपको कई नुकसान होंगे। आपका पैन निष्क्रिय हो जाएगा। इसका मतलब है कि आपका पैन अब कर संबंधी कार्यों के लिए वैध नहीं होगा। अगर आपका पैन डीएक्टिव हो जाता है, तो पेंडिंग टैक्स रिफंड और उस पर ब्याज इश्यू नहीं किया जाएगा। वहीं हाई रेट पर टीडीएस की कटौती होगी। अगर आपका पैन आधार से जुड़ा नहीं है, तो लेन-देन करते समय उस पर लागू दर से दोगुनी दर पर टीडीएस काटा जाएगा।

### इतने पैन कार्ड हुए डीएक्टिवेट

सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले वर्ष यानी साल 2023 में करीब 12 करोड़ पैन कार्ड आधार कार्ड से लिंक नहीं होने की वजह से डीएक्टिवेट हो गए थे। अगर आपने भी पैन आधार से लिंक नहीं करवाया तो फिर आपको दिक्कत हो सकती है। अगर आपका पैन कार्ड आधार से लिंक नहीं है, तो आप बैंक से जुड़ा कोई काम नहीं कर पाएंगे. क्योंकि बैंक के लगभग सभी कामों के लिए पैन कार्ड की जरूरत पड़ती है।

## बोले-मैं पैसों के लिए एक्टिंग नहीं करता

**फिल्म पुष्पा एक्टर फहाद फासिल ने बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर की तारीफ की है। हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में उन्होंने रणबीर को देश का बेस्ट एक्टर कहा। सबसे पहले फहाद ने रणबीर को एक्टिंग का मास्टर कहा। इसके अलावा उन्होंने विक्की कौशल और राजकुमार राव के एक्टिंग स्किल्स की भी तारीफ की। फहाद ने कहा कि वो रणबीर, राजकुमार राव और विक्की कौशल के टैलेंट को एडमायर करते हैं।**

### मैं पैन इंडिया स्टार नहीं हूं

फिल्म कंपेनियन को दिए इंटरव्यू में फहाद ने अपनी फिल्मों और करियर के बारे में भी बात की। फहाद ने खुद को पैन इंडिया स्टार कहे जाने पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा, मैं बस एक एक्टर हूं। मैं सिर्फ अपना काम करने में यकीन करता हूं। अच्छी फिल्में चुनना और अपना आर्टिस्टिक फुलफिलमेंट देखने के अलावा उसकी कमर्शियल सक्सेस के बारे में सोचने में ही यकीन करता हूं।

### मैं सिर्फ पैसे कमाने के लिए एक्टिंग नहीं करता

फहाद फासिल ने आगे ये भी कहा कि वह सिर्फ पैसे कमाने के लिए एक्टिंग नहीं करते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे एक्टिंग से पैसा नहीं कमाना है। मुझे उस पर निर्भर नहीं रहना है। मैं एक ऐसी फैमिली से आता हूं, जो पिछले 40 साल से फिल्में बना रही है। मैं जानता हूं कि यह बिजनेस कितना टेम्परेरी है। मैं फाइनेंशियल इंस्टेबिलिटी को मैनेज कर सकता हूं, लेकिन मैं अपनी अस्थिरता को लेकर चिंतित हूं। मैंने लोगों को बदलते हुए देखा है। मैं चाहता हूं कि चाहे मेरी फिल्में अच्छा परफॉर्म करें या फिर खराब। मैं जैसा हूं वैसा ही बना रहूं।'

### पुष्पा 2 में आएंगे नजर

फहाद ने फिल्म पुष्पा में भंवर सिंह शेखावत नाम के पुलिस ऑफिसर का किरदार निभाया था। इस किरदार में उन्हें काफी पसंद किया गया था। अब वो पुष्पा 2 में नजर आएंगे। हाल ही में उनकी फिल्म आवेशम रिलीज हुई है।

# संजय सर संग काम कर लिया अब उनकी हीरोइन बनना है...

मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान के बैनर की फिल्म लापता लेडीज की जया के रूप में दिल जीतने वाली एक्ट्रेस प्रतिभा रांटा अब बॉलीवुड के शोमेकर संजय लीला भंसाली की डेब्यू वेब सीरीज हीरामंडी का हिस्सा हैं। इस सीरीज में प्रतिभा का रोल भले छोटा है, लेकिन भंसाली के साथ काम करने के इस मौके को वह अपने लिए बड़ा अनुभव मानती हैं। यही नहीं, उनका सपना एक दिन भंसाली की लीड हीरोइन बनने का भी है।

### संजय सर के साथ छोटा रोल भी महत्वपूर्ण

हीरामंडी के जुड़ने के बारे में प्रतिभा बताती हैं, जब आप लापता लेडीज जैसी कमाल की फिल्म कर लेते हैं तो अगला प्रोजेक्ट बहुत सोच- समझकर चुनना चाहते हैं। वैसा ही काम करना चाहते हैं, जहां खुद को चैलेंज कर सकें तो मैं सोच रही थी कि आगे क्या करूं। उसी बीच मुझे हीरामंडी के ऑडिशन का कॉल आया तो मुझे लगा कि हीरामंडी तो करना चाहिए, क्योंकि संजय लीला भंसाली सर बना रहे हैं, इतनी बड़ी कास्ट है। अगर मेरा रोल छोटा भी है तो कोई बात नहीं है। मुझे इतनी बड़ी कास्ट के साथ काम करके अनुभव मिलेगा। इसमें मैं संजीदा शेख की बेटी के किरदार में हूं और मुझे पता था कि मेरा कैरेक्टर छोटा है, लेकिन मैं खुश थी कि मैं संजय सर के एक प्रोजेक्ट का हिस्सा बनी जो मैंने बचपन से सोचा था।

### प्रतिभा रांटा ने हीरामंडी के लिए दिया था ऑडिशन

वहीं, भंसाली संग अपनी मुलाकात के बारे में उन्होंने बताया, मैं जब पहली बार सर से मिलने गई थी तो बहुत डरी हुई थी, क्योंकि मैंने उनके बारे में बहुत कुछ सुना था, लेकिन वह बहुत प्यारे हैं। उन्होंने पूछा कि तुम्हें डांस आता है? तो मैंने बताया कि सर, मैं ट्रेंड डांसर हूं। फिर सेट पर भी उनकी एनर्जी अलग होती है, सब लोग अपना बेस्ट देते हैं, जिससे हर फ्रेम में जादू क्रिएट होता है।

### सिर्फ पैसों के लिए किया था टीवी शो

प्रतिभा ने टीवी शो कुर्बान हुआ से एक्टिंग करियर शुरू किया था। फिर एक ही टीवी शो के बाद सीधे फिल्मों तक कैसे पहुंचीं? इस बारे में उन्होंने बताया, मेरा सपना हमेशा फिल्में ही थीं। मैं टीवी शो सिर्फ पैसे के लिए कर रही थी, क्योंकि मुझे आर्थिक रूप से खुद को स्थापित करना था। मैंने जब शिमला से मुंबई आकर एक्टर बनने का फैसला किया था तो मेरे पैरेंट्स आश्वस्त नहीं थे कि मैं इसमें करियर बना पाऊंगी तो टीवी शो मैंने यह सोचकर किया था कि जब मैं आर्थिक रूप से मजबूत हो जाऊंगी तो अपने परिवार का भरोसा जीत पाऊंगी। टीवी में मुझे बहुत अच्छे पैसे मिले और जब मैं आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़ी हो गई तो तय किया अब मैं वो करूंगी जिसके लिए मैं मुंबई आई थी। अब मैं थोड़े वक्त तक टीवी शोज नहीं करूंगी। सिर्फ वेब शो और फिल्मों के लिए ऑडिशन दूंगी।

### शुरू करना बहुत जरूरी है

मैंने ये फैसला लिया, तभी मुझे लापता लेडीज का ऑडिशन करने का मौका मिला। वो मेरा पहला ही ऑडिशन था। मैंने खुद उम्मीद नहीं की थी कि फिल्म मुझे मिल जाएगी लेकिन मुझे शाम को घर पहुंचते ही कॉल आ गई कि आप सिलेक्ट हो गई हैं। मेरा मानना है कि शुरू करना बहुत जरूरी है। अगर मैं टीवी छोड़ने का रिस्क नहीं लेती तो यहां नहीं होती। जब हम एक बार शुरू कर लेते हैं ना, दरवाजे अपने आप खुलने लगते हैं। जबकि जब मैं टीवी कर रही थी, तब बहुत कंफर्टेबल जोन में थी। बहुत अच्छे पैसे मिल रहे थे लेकिन अगर आप एक के बाद एक टीवी शो करते जाते हैं तो क्रिएटिव संतुष्टि कहीं खो जाती है, जो मेरे लिए बहुत जरूरी है। इसलिए मैंने वो रिस्क लिया और उसका मुझे बहुत फायदा हुआ।

## क्या जल्द आने वाली है कैथी 2

### अभिनेता अर्जुन दास ने किया खुलासा

साल 2019 में रिलीज हुई तमिल फिल्म कैथी एक बड़ी हिट साबित हुई थी। इस फिल्म को साउथ के मशहूर निर्देशक लोकेश कनगराज ने निर्देशित किया था। फिल्म में अभिनेता कार्थी मुख्य भूमिका में नजर आए थे। उनके अलावा नारायण, अर्जुन दास, हरीश उथमन आदि ने भी अहम किरदार निभाया था। फिल्म के रिलीज के बाद से ही इसके अगले भाग की मांग शुरू हो गई थी। अब इस पर अभिनेता अर्जुन दास ने एक दिलचस्प बयान दिया है।

### कैथी 2 पर किया रोचक खुलासा

फिल्म के निर्देशक लोकेश फिलहाल अपनी अगली फिल्म कुली को लेकर व्यस्त चल रहे हैं। इस फिल्म में रजनीकांत मुख्य भूमिका में नजर आने वाले हैं। फैंस ये अनुमान लगा रहे हैं कि इस फिल्म के बाद लोकेश कैथी 2 पर काम शुरू कर सकते हैं। कहा जा रहा है कि यह फिल्म लोकेश कनगराज के सिनेमैटिक यूनिवर्स (एलसीयू) का हिस्सा हो सकती है। इस पर एलसीयू का हिस्सा रहे अभिनेता अर्जुन दास ने भी एक दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि लोकेश को कैथी की शूटिंग के दौरान ही इसके अगले भाग के लिए विचार आया था।

### कैथी की शूट पर ही आया था अगले भाग का विचार

एक इंटरव्यू के दौरान अर्जुन ने बताया कि जब लोकेश कैथी की शूटिंग कर रहे थे तभी, उन्हें इसके अगले भाग के लिए विचार आया था। इसको लेकर उन्होंने अर्जुन से बातचीत भी की थी। इसके अलावा अर्जुन ने एक और रोचक जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि लोकेश ने उनसे कहा था कि वह एलसीयू के किसी भी किरदार पर एक पूरी फिल्म बना सकते हैं। अर्जुन ने आगे बताया कि विक्रम 2 के अलावा रोलेक्स पर भी एक पूरी फिल्म बनाई जा सकती है। इसके अलावा लियो दास को भी एलसीयू के किसी और किरदार के सामने खड़ा किया जा सकता है। अर्जुन दास के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह आखिरी बार बेजॉय नांबियार की फिल्म पोर में नजर आए थे। यह फिल्म इस साल ही एक मार्च को रिलीज हुई थी। फिल्म में अर्जुन और कालिदास जयराम नजर आए थे। फिल्म को एक ही समय पर तामिल और हिंदी दोनों में शूट किया गया था। हिंदी में फिल्म दंगे के नाम से रिलीज हुई थी।

## भारत की विविधता का प्रतिनिधित्व करने में गर्व महसूस होता है

एक्ट्रेस और फैशन आइकन सोनम कपूर ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर देश की समृद्ध विरासत, इतिहास और विविधता का प्रतिनिधित्व करने में गर्व महसूस करती हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि वह देश की विरासत को उजागर करने की कोशिश करती हैं। उन्होंने कहा, अगर मुझे किसी न किसी रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करना होता है, तो मैं देश की विविधता पर प्रकाश डालती हूं। हमारे पास इतनी मजबूत सांस्कृतिक विरासत और प्राचीन सभ्यता है। इसका मतलब है कि भारत में जो कुछ भी बनाया जाता है उसका बहुत मूल्य होता है। सोनम ने कहा, यह एक बहुसांस्कृतिक जगह है, जहां कई धर्मों के लोग एक साथ सद्भाव से रहते हैं और इसका प्रतिनिधित्व करना अत्यंत महत्वपूर्ण उन्होंने कहा, योग और आध्यात्म की भूमि होने के अलावा, भारत अपने संगीत और कारीगर शिल्प कौशल के लिए भी प्रसिद्ध है। यह आभूषण और कढ़ाई का क्षेत्र है। सोनम इंडियन क्राफ्टसमैनशिप को चैंपियन बनाने के लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करती हैं। एक्ट्रेस ने कहा, जब आपके पास एक प्लेटफॉर्म होता है, तो आप पर बड़ी जिम्मेदारी होती है। यह देखना दिलचस्प होता है कि लोग इसकी सराहना कैसे करते हैं और खुद को इससे कैसे जोड़ते हैं।

## मर्डर इन माहिम में आशुतोष संग केमिस्ट्री पर बोले विजय राज

एक्टर विजय राज ने सीरीज मर्डर इन माहिम में अपने को-स्टार आशुतोष राणा के साथ काम करने के अनुभव को साझा किया। विजय ने कहा, आशुतोष के साथ काम करना बेहतरीन अनुभव है। हमारा बॉन्ड इतना नेचुरल है, मानो हम दोस्त कहीं साथ में घूम रहे हैं। ऐसे टैलेंटेड एक्टर के साथ सहयोग करने से निस्संदेह काम आसान हो जाता है। लेखक जेरी पिंटो की चर्चित किताब पर बनी सीरीज मुंबई की पृष्ठभूमि पर आधारित है। जो एक खौफनाक मर्डर मिस्ट्री की गुत्थी को उजागर करती है। सीरीज में आशुतोष ने पीटर का किरदार निभाया है और विजय ने जेंडे की भूमिका निभाई है। कहानी में दोनों के बीच खोई हुई दोस्ती के मेल-मिलाप को दिखाया गया है। विजय ने कहा, एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभाने से मुझ पर अनोखा प्रभाव पड़ा। ऐसी भूमिकाएं मुझमें आत्मविश्वास पैदा करती है और यह हमेशा गर्व की बात है। मर्डर इन माहिम में आशुतोष के साथ काम करना बेहद खास अनुभव रहा। यह सिर्फ भूमिका के बारे में नहीं है, यह पुलिस अधिकारियों की बहादुरी और सम्मान दिखाने के बारे में है, जो मुझे इसके बारे में अच्छा महसूस कराता है। राज आचार्य द्वारा निर्देशित, मर्डर इन माहिम 10 मई को जियो सिनेमा प्रीमियम पर रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है।

## सिकंदर का हिस्सा बनकर शुक्रगुजार हूं

**सलमान खान की अगली फिल्म 'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना की एंट्री हो गई है। गुरुवार को फिल्म मेकर्स ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह अनाउंसमेंट की। मेकर्स ने लिखा, 'हम सलमान के अपोजिट फिल्म 'सिकंदर' में रश्मिका का स्वागत करते हैं। दोनों का ऑन-स्क्रीन मैजिक देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।' वहीं रश्मिका ने एक ट्वीट करते हुए लिखा, 'काफी वक्त से आप लोग मुझसे मेरे अगले प्रोजेक्ट के बारे में पूछ रहे थे। ये रहा सरप्राइज। सिकंदर का हिस्सा बनकर शुक्रगुजार हूं।'**

### सलमान ने शुरू की शूटिंग

इसी बीच सोशल मीडिया पर सलमान का एक फोटो वायरल है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म सिकंदर के सेट का ही है और सलमान ने इस फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है। हालांकि, अभी तक इस बारे में कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुआ है।

### ए.आर मुरुगदास होंगे डायरेक्टर

इस फिल्म में सलमान और रश्मिका पहली बार साथ काम करेंगे। इसे 'गजनी' और 'हॉलीडे' जैसी फिल्में डायरेक्ट करने वाले ए.आर मुरुगदास डायरेक्ट करेंगे। वहीं साजिद नाडियाडवाला इसके प्रोड्यूसर होंगे। फिल्म अगले साल ईद पर रिलीज होगी।

### हिट रहीं रश्मिका की 'एनिमल' और 'पुष्पा'

वर्कफ्रंट पर रश्मिका ने हाल ही में एनिमल और पुष्पा जैसी सुपरहिट फिल्में दी हैं। वहीं सलमान की बतौर एक्टर पिछली 4 फिल्में ठीक ठाक रही हैं। जहां 'राधे' और 'अंतिम' फ्लॉप थीं। वहीं 'किसी का भाई किसी की जान' एवरेज और 'टाइगर 3' हिट रहीं।

### नाडियाडवाला संग कई हिट फिल्में दे चुके हैं सलमान

प्रोड्यूसर साजिद नाडियाडवाला के साथ सलमान 'जुड़वा', 'मुझसे शादी करोगी' और 'किक' समेत कई हिट फिल्में दे चुके हैं। वहीं सिकंदर से पहले मुरुगदास और सलमान साथ में 2014 में रिलीज हुई फिल्म 'जय हो' पर भी काम कर चुके हैं। मुरुगदास उस फिल्म के राइटर थे।

## कमल हासन और मणिरत्नम के साथ काम करना सुखद अनुभव

कमल हासन स्टारर मणिरत्नम की ठग लाइफ से साउथ फिल्म इंडस्ट्री में कदम रख रहे एक्टर अली फजल ने कहा कि भारतीय सिनेमा के दो दिग्गजों के साथ काम करना उनके लिए एक सुखद अनुभव है। अली ने कहा, मैं ठग लाइफ का हिस्सा बनकर वास्तव में रोमांचित हूं। मुझे विश्वास है कि मैं इस प्रोजेक्ट में अपना बेस्ट दूंगा। कमल हासन के साथ सहयोग करना और उनके साथ विचारों का आदान-प्रदान करना सम्मान की बात है। भारतीय सिनेमा के दो दिग्गजों के साथ काम करना एक सुखद अनुभव है। मुझे इस प्रोजेक्ट में रोल देने के लिए मैं मणि का धन्यवाद करता हूं। मैं स्क्रीन पर रोल निभाने के लिए उत्सुक हूं। फिल्म की शूटिंग रवि के. चंद्रन द्वारा की जाएगी, और म्यूजिक ए आर रहमान द्वारा तैयार किया जाएगा। ठग लाइफ का प्रोडक्शन आधिकारिक तौर पर नई दिल्ली में शुरू हो गया है।